रांची, मंगलवार, 16 सितंबर 2025
संवत 2082, आश्विन कृष्णपक्ष 9 मूल्य-2 रुपये
वर्ष-9, अंक 12 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028
मेट्रो Rays आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक

4 ▶▶ भारत की आर्थिक रफ्तार पर वैश्विक मुहर
तमिल डेब्यू के लिए परफेक्ट फिल्म है कंचना 4 ◀◀ 6

पुलिस मुख्यालय के डेटा सेंटर में लगी आग करोड़ों का नुकसान, मची अफरातफरी

रांची : राजधानी रांची के धुर्वा स्थित झारखंड पुलिस मुख्यालय के डाटा सेंटर में मंगलवार सुबह अचानक आग लग गई। आग लगने से पूरे प्रशासनिक तंत्र में हड़कंप मच गया। शुरूआती जानकारी के अनुसार, आग की शुरूआत ऊपर बने डेवलपमेंट रूम से हुई और देखते ही देखते डाटा सेंटर तक फैल गई। शुरूआती जांच में शॉर्ट सर्किट को संभावित कारण बताया गया है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आग लगते ही पूरे परिसर में धुआं फैल गया और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही

दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। इस घटना में डाटा सेंटर में रखे करीब 40 कंप्यूटर, 10 एयर कंडीशनर और अन्य महंगे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जलकर खाक हो गए। अधिकारियों के अनुसार, नुकसान करोड़ों रुपये का आंका जा रहा है।

सबसे बड़ी चिंता इस बात को लेकर है कि डाटा सेंटर में पुलिस विभाग से जुड़े कई अहम रिकार्ड, सर्वर और तकनीकी सिस्टम मौजूद थे। अधिकारियों का दावा है कि डेटा का बैकअप सुरक्षित है, लेकिन इसकी वास्तविक स्थिति जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगी। अगर बैकअप सुरक्षित नहीं रहा, तो यह पुलिस प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती साबित हो सकता है।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी, आईटी विभाग की टीम और तकनीकी विशेषज्ञ मौके पर पहुंचे और नुकसान का आकलन शुरू कर दिया। वहीं, राज्य सरकार ने उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं और सुरक्षा मानकों की समीक्षा करने की बात कही है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके। विशेषज्ञों का मानना है कि डाटा सेंटर जैसी संवेदनशील इकाई में सुरक्षा और अग्नि शमन की पर्याप्त व्यवस्था अनिवार्य है। इस घटना ने प्रशासन को तकनीकी संरचनाओं की सुरक्षा पर गंभीरता से विचार करने के लिए मजबूर कर दिया है।

सहस्त्रधारा में बादल फटने से तबाही

टॉस नदी में बहे दस मजदूर, छह की मौत, एक शव बरामद

शिवलिंग जलमग्न, मसूरी में एक मजदूर की मौत

देहरादून : देहरादून में देर रात बादल फटने से भारी तबाही मची है। कुछ मजदूरों के बहने की सूचना है। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से देहरादून समेत चमोली, चंपावत, ऊधमसिंह नगर, बागेश्वर और नैनीताल जिले के कुछ इलाकों में तेज दौर की बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। अन्य जिलों में भी तेज बारिश होने की संभावना है। 21 सितंबर तक प्रदेशभर में तेज दौर की बारिश होने के आसार हैं।

देहरादून प्रेमनगर परवल टॉस नदी में दस मजदूर बह गए। घटना में छह लोगों की मौत हो गई। नया गांव चौकी क्षेत्र में पुलिस पंचायतनामा की कार्रवाई कर रही है।

पीएम और गृहमंत्री ने सीएम धामी से ली आपदा की जानकारी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दूरभाष पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से देहरादून में आई आपदा की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने प्रदेश को हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया और कहा कि केंद्र सरकार आपदा की इस घड़ी में राज्य के साथ मजबूती

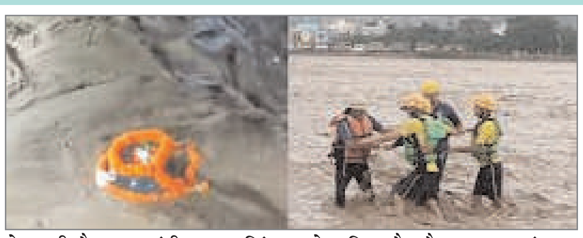

से खड़ी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन और सहयोग से राज्य में राहत कार्य और तेजी से संचालित होंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रभावित क्षेत्रों में प्रशासनिक मशीनरी पूरी तत्परता से सक्रिय है और बचाव एवं राहत कार्य युद्धस्तर पर चल रहे हैं।

मुख्यमंत्री धामी देहरादून जनपद के प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण कर रहे हैं । इस अवसर पर स्थानीय विधायक एवं वरिष्ठ अधिकारी उनके साथ उपस्थित हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी प्रभावित परिवार को असुविधा न हो और राहत सामग्री, सुरक्षित ठहराव, भोजन, पानी एवं स्वास्थ्य सुविधाएं तुरंत उपलब्ध कराई जाएं। कहा कि प्रदेश सरकार हर प्रभावित परिवार के साथ खड़ी है। प्रशासन पहले से ही अलर्ट मोड पर है और एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पुलिस व स्थानीय प्रशासन लगातार सक्रिय हैं।

इंस्टिट्यूट में फंसे बच्चों का सफल रेस्क्यू: देहरादून के पौंधा स्थित देवभूमि इंस्टिट्यूट परिसर में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई, जिसमें लगभग 200 छात्र-छात्राएं फंसे होने की सूचना एसडीआरएफ को मिली। उक्त सूचना पर एसडीआरएफ वाहिनी मुख्यालय, देहरादून से एक रेस्क्यू टीम तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना की गई। टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर त्वरित रेस्क्यू अभियान संचालित किया गया। जलभराव के बीच टीम ने अत्यंत सूझबूझ एवं तत्परता से कार्य करते हुए सभी 200 छात्र-छात्राओं को सुरक्षित बाहर निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया।

राज्यपाल ने देवघर में की पूजा- अर्चना

देवघरः राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने आज देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ मंदिर में जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना की तथा समस्त राज्यवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की।

भारत को मिला पहला स्केटिंग वर्ल्ड चैंपियन, आनंद कुमार वेलकुमार ने जीता गोल्ड, पीएम ने दी बधाई

नई दिल्ली : भारत के आनंदकुमार वेलकुमार ने स्पीड स्केटिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025 में इतिहास रच दिया है। आनंदकुमार ने 1,000 मीटर स्प्रिंट में गोल्ड जीता। यह इस इवेंट में भारत का पहला गोल्ड है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस उपलब्धि पर आनंदकुमार को बधाई दी। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, स्पीड स्केटिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025 में सीनियर पुरुष 1,000 मीटर स्प्रिंट में गोल्ड मेडल जीतने वाले आनंदकुमार वेलकुमार पर गर्व है। उनके धैर्य, गति और जोश ने उन्हें स्केटिंग में भारत का पहला विश्व चैंपियन बनाया है। उनकी उपलब्धि अनगिनत युवाओं को प्रेरित करेगी। आनंदकुमार को बधाई और भविष्य के सभी प्रयासों के लिए शुभकामनाएं। 22 वर्षीय आनंदकुमार वेलकुमार ने चीन के बेइदाइहे में जारी स्पीड स्केटिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025 में सीनियर मेंस की 1000 मीटर स्प्रिंट रेस में 1:24.924 मिनट का समय लेकर पहला स्थान अपने नाम किया है। इससे पहले आनंदकुमार वेलकुमार ने ही 500 मीटर स्प्रिंट में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर भारत को उसका पहला सीनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडल दिलाया था। आनंदकुमार ने इसके लिए 43.072 सेकंड का समय लिया था। जूनियर कैटेगरी में स्केटर कृष शर्मा ने भी 1,000 मीटर स्प्रिंट में गोल्ड जीता है। इस तरह भारत ने स्पीड स्केटिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप के 1,000 मीटर स्प्रिंट में जूनियर और सीनियर, दोनों ही इवेंट का गोल्ड अपने नाम किया है। तमिलनाडु के रहने वाले आनंदकुमार वेलकुमार खेल के साथ-साथ पढ़ाई में भी होशियार हैं। उन्होंने कंप्यूटर साइंस से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है। आनंदकुमार वेलकुमार का स्पीड स्केटिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025 में गोल्ड जीतना भारतीय खेलों के लिए ऐतिहासिक क्षण है।

न्यूज IN ब्रीफ

डीवीसी केटीपीएस में अभियंता दिवस पर नवाचार और राष्ट्र निर्माण का संकल्प

कोडरमा : डीवीसी केटीपीएस में 15 सितम्बर 2025 को अभियंता दिवस धूमधाम से मनाया गया। यह आयोजन भारत रत्न सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया (1861-1962) की जयंती पर उनकी प्रेरणादायी स्मृति में किया गया। सर विश्वेश्वरैया भारतीय अभियंत्रण जगत के अद्वितीय नक्षत्र, दूरदर्शी योजनाकार और राष्ट्र निर्माण के महानायक थे। भारत सरकार ने 1968 से उनकी जयंती को अभियंता दिवस के रूप में मनाने की परंपरा शुरू की थी। इस अवसर पर केटीपीएस परिसर में पारंपरिक ढंग से पुष्पांजलि अर्पित की गई। सर्वप्रथम मनोज कुमार ठाकुर, मुख्य महाप्रबंधक एवं प्रमुख, डीवीसी केटीपीएस ने श्रद्धांजलि दी। तत्पश्चात वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी पुष्प अर्पित कर महान अभियंता के योगदान को नमन किया। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में अरुण दत्ता, आशिम अमिताभ परिदा, आलोक कुमार, सब्यसाची मोंडल, बलवंत कुमार, मन्दवी झा, प्रियंका, लक्ष्मीकांत मोंडल, प्रन्सातो मोंडल, अभिन्जन कुमार, मृणाल कछप, राजा सागर सिंह, जैराज टोप्पो, दीपक कुमार, सोमनाथ हांसदा, बिनय प्रभाकर, कुंदन कुमार और राजेश चौरेसिया प्रमुख रहे। कार्यक्रम के दौरान डीवीसी केटीपीएस प्रमुख मनोज ठाकुर ने कहा कि सर विश्वेश्वरैया न सिर्फ कृष्णराज सागर बांध और बाढ़ नियंत्रण प्रणाली के जनक थे, बल्कि उन्होंने आधुनिक सिंचाई तकनीकों व औद्योगीकरण को भी नई दिशा दी। अभियंता दिवस का यह आयोजन केवल पेशे का सम्मान नहीं, बल्कि यह संकल्प है कि अभियंता नवोन्मेष और प्रगति से भारत को और ऊँचाइयों तक पहुँचाएँगे। वहीं कार्यक्रम को लेकर धन्यवाद ज्ञापन डीवीसी केटीपीएस टीम से नवीन कुमार ने किया।

श्री महेश एकेडमी में बच्चों को खिलाई गई एल्बेंडाजोल की गोली

डोमचांचः नगर पंचायत स्थित श्री महेश एकेडमी में मंगलवार को कृमि उन्मूलन अभियान के तहत नर्सरी से कक्षा दसवीं तक के सैकड़ों विद्यार्थियों को कृमि नाशक दवा एल्बेंडाजोल खिलाई गई। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक सुनील कुमार सिन्हा ने बच्चों को दवा के महत्व एवं इससे होने वाले लाभों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि कृमि नाशक दवा बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। भारत सरकार के सौजन्य से यह दवा वर्ष में दो बार निशुल्क उपलब्ध कराई जाती है। प्राचार्या रीना दाराद के नेतृत्व में शिक्षिकाओं सपना गुप्ता, रिया कुमारी तथा शिक्षकों शुभम कुमार, रौशन कुमार और सौरव कुमार ने सक्रिय सहयोग देते हुए बच्चों को सुरक्षित तरीके से दवा खिलाई। बच्चे उत्साह के साथ दवा खाकर स्वास्थ्य लाभ की ओर अग्रसर हुए। यह कार्यक्रम विद्यालय में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

पुलिस ने दुष्कर्म मामले में दो आरोपियों को भेजा जेल

चतराः सदर थाना पुलिस ने सोमवार को नाबालिग से दुष्कर्म करने के दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपियों में हफुवा गांव निवासी गुड्डू भारती व संतोष भारती का नाम शामिल है। यहां बताते चले कि उपरोक्त दोनों युवक करमा पूजा की रात नाबालिग को बहला फुसला कर अपने साथ ले गए थे और बारी बारी से उसके साथ गलत किया था। घटना के बाद नाबालिग ने घटना की जानकारी अपने परिजनों को दिया। इसके बाद परिजन उसे लेकर सदर थाना पहुंचे और मामला दर्ज कराया था। इस मामले में पुलिस ने नाबालिग का मेडिकल जांच कराते हुए आरोपियों के विरुद्ध पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया था। घटना के बाद आरोपी फरार हो गए थे। मामला दर्ज करने के बाद पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी अभियान चला रही थी। इसी बीच सोमवार को पुलिस ने दोनों आरोपियों को उसके गांव से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

पासवा के हंटरगंज, प्रतापपुर व कुंदा कमेटी का पुनर्गठन

चतराः जिले के हंटरगंज प्रखंड के नागर स्थित डीजीपीएस स्कूल परिसर में सोमवार को पब्लिक स्कूल एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन (पासवा) की बैठक हुई।बैठक की अध्यक्षता प्रदेश महासचिव नीरज कुमार व संचालन जिला संयुक्त सचिव पप्पु कुमार गौतम ने किया। बैठक में निजी विद्यालयों के हित में कई चर्चा की गई। साथ ही बच्चो को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने की बात कही गयी।इस दौरान हंटरगंज, प्रतापपुर व कुंदा प्रखंड कमेटी का पुनर्गठन किया गया। जिसमें हंटरगंज में सूर्यभूषण को अध्यक्ष, सिकेंद्र सिंह को उपाध्यक्ष, आनंद सिंह को सचिव, अरूण कुमार को संयुक्त सचिव, अमित कुमार कोषाध्यक्ष बनाया गया।वहीं प्रतापपुर में रघुवीर राम को अध्यक्ष, प्रमोद रंजन को उपाध्यक्ष, भागीरथ गुप्ता को सचिव, दिलीप कुमार को संयुक्त सचिव, अर्जुन कुमार कोषाध्यक्ष व कुंदा प्रखंड में मुनारिक यादव को अध्यक्ष, मुकलेश कुमार को उपाध्यक्ष, सुरेंद्र कुमार को सचिव, ललन यादव को कोषाध्यक्ष व विनोद कुमार को संयुक्त सचिव बनाया गया।

दुर्गा पूजा कमेटी के अध्यक्ष बने संदीप प्रजापति

चतराः शहर के कुम्हार टोली में दुर्गा पूजा को लेकर विश्व शांति क्लब कुम्हारटोली खैनी गोला के द्वारा बैठक हुई। बैठक में दुर्गा पूजा धुमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया।इसे लेकर पूजा कमेटी का गठन किया गया। गठित कमिटी में अध्यक्ष संदीप प्रजापति, सचिव सुजीत प्रजापति, कोषाध्यक्ष प्रमोद प्रजापति, कार्यक्रम का आयोजन विशाल प्रजापति को बनाया गया। वहीं धीरेंद्र प्रजापति, राकेश प्रजापति, अर्जुन प्रजापति, विश्वकर्मा प्रजापति को सदस्य बनाया गया।विशाल प्रजापति ने बताया कि यहां तीन वर्षो से दुर्गा पूजा उठाया जा रहा है। इस बार आदि योगी के थीम पर आकर्षक पंडाल बनाया जायेगा।मौके पर कई लोग उपस्थित थे।

सशस्त्र सीमा बल के पांच दिवसीय ब्यूटीशियन कोर्स का समापन

चतरा : 35 वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल कमांडेंट संजीव कुमार के दिशानिर्देश में सी समवाय 35वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल द्वारा रविवार को लावालौंग में पांच दिवसीय ब्यूटीशियन कोर्स का समापन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में द्वितीय कमान अधिकारी रमेश कुमार व उप कमांडेंट नीरज कुमार सिंह ने इस कार्यक्रम का समापन किया।इसके साथ ही प्रशिक्षणार्थियों को प्रशंसा पत्र एवं प्रमाण पत्र देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने बताया कि ब्यूटी पार्लर का कोर्स महिलाएं घर में रहकर आराम से कर सकती है। साथ ही यह भी बताया कि सशस्त्र सीमा बल के द्वारा समय-समय पर सिलाई प्रशिक्षण, मशरूम कोर्स, मधुमक्खी पालन, मोबाइल रिपेयरिंग व बाइक रिपेयरिंग आदि के कोर्स मुफ्त में कराए जाते हैं।इस मौके पर सी समवाय लावालौंग प्रभारी निरीक्षक जयवीर सिंह रावत, उप निरीक्षक आनंद सिंह, उप निरीक्षक दिनेश सिंह, सहायक उप निरीक्षक सुजयकांत रॉय व लावालौंग के मुखिया नेमन भारती सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे ।

राज्य सरकार ने तय किया लक्ष्य

30 सितंबर तक सभी सफल अभ्यर्थियों को मिलेगा नियुक्ति पत्र

संवाददाता

रांची : राज्य सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि प्रशिक्षित सहायक आचार्य के सभी सफल घोषित अभ्यर्थियों को 30 सितंबर से पूर्व नियुक्ति पत्र दे दिए जाएंगे। कुल 4333 अभ्यर्थियों में से अब तक सीमित संख्या को ही नियुक्ति पत्र सौंपा गया है, जबकि शेष 4120 से अधिक अभ्यर्थियों की नियुक्ति प्रक्रिया अंतिम चरण में है। सरकार का प्रयास है कि आगामी दशहरा त्योहार से पूर्व सभी सफल उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र मिल जाए, ताकि वे अपने परिवारों के साथ खुशियां बांट सकें और नई जिम्मेदारी की शुरूआत कर सकें।

शिक्षा विभाग के सूत्रों के अनुसार, नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर विभागीय स्तर पर तेजी से काम किया जा रहा है। जिला शिक्षा पदाधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि लंबित नामों की सूची को शीघ्र अंतिम रूप दें और अभ्यर्थियों को बुलाकर नियुक्ति पत्र सौंपें। विभाग का कहना है कि पारदर्शिता और समयबद्धता को ध्यान में रखते हुए सभी जिलों में समान रूप से यह कार्य किया जा रहा है।

राज्य सरकार का मानना है कि लंबे समय से प्रतीक्षा कर रहे अभ्यर्थियों को अब राहत देने का समय आ गया है। सरकार की मंशा है कि नए शैक्षणिक सत्र की शुरूआत में ही नव नियुक्त सहायक आचार्य स्कूलों में योगदान दे सकें। इससे शिक्षा व्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी और रिक्त पदों की समस्या काफी हद तक दूर होगी। अभ्यर्थियों में भी इस घोषणा से उत्साह का माहौल है। उनका कहना है कि दशहरा से पहले नियुक्ति पत्र मिलना उनके लिए किसी त्योहारी तोहफे से कम नहीं होगा। इस कार्यक्रम के बाद सीएम शाम चार बजे खूंटी जाएंगे,जहां वे विधिज्ञ भवन का शिलान्यास करेंगे। उनके साथ झारखंड हाइकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश तरलोक सिंह चौहान सहित कई अतिथि रहेंगे।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी का बड़ा बयान, कहा

झारखंड में एसआईआर लागू नहीं होने देंगे

संवाददाता

रांची : बिहार में एसआईआर (स्पेशल इंडेक्स रजिस्टर) लागू होने के बाद उठे विवाद के बीच झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने साफ कर दिया कि राज्य में किसी भी कीमत पर एसआईआर लागू नहीं होगा। उन्होंने बीजेपी पर आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्ष झारखंड की जनता को गुमराह करने और भ्रम फैलाने का काम कर रहा है।

डॉ. अंसारी ने मीडिया से भी अपील की कि ऐसे संवेदनशील मुद्दों पर अफवाह फैलाने से बचें। उन्होंने कहा, आप लोग लंदन चले जाएंगे, लेकिन यहाँ के लोगों को गुमराह न करें। झारखंड की जनता सच जानती है और कोई भी साजिश यहाँ कामयाब नहीं होगी। स्वास्थ्य मंत्री ने बिहार का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां करीब 65 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से काट दिए गए, जिससे उनकी नागरिकता और वोटिंग अधिकार खतरे में पड़ गए। उन्होंने स्पष्ट किया कि वोट देने का अधिकार किसी से छीना नहीं जा सकता और संविधान इसकी अनुमति नहीं देता।

बीजेपी को चुनौती देते हुए डॉ. अंसारी ने कहा, हिम्मत है तो झारखंड आकर नाम काट कर दिखाइए। यह बिहार नहीं, यह झारखंड है। यहाँ लोगों के अधिकारों को छीनने की कोशिश सफल नहीं होगी। मंत्री ने कहा कि झारखंड में सरकार विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे मुद्दों पर काम करेगी, न कि किसी की पहचान या अधिकार छीनने पर। उन्होंने दोहराया कि राज्य सरकार जनता के साथ खड़ी है और किसी भी साजिश को नाकाम कर देगी।

परीक्षा परिणाम में गड़बड़ी पर अभाविप का उग्र आंदोलन

संवाददाता

चतराः विनोबा भावे विश्वविद्यालय द्वारा घोषित स्नातक सेमेस्टर-1 (2024-28) के परीक्षा परिणाम में गड़बड़ी को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) चतरा इकाई ने सोमवार को कॉलेज परिसर में उग्र धरना-प्रदर्शन किया। आक्रोशित छात्रों ने कॉलेज गेट पर तालाबंदी कर विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। अभाविप का आरोप है कि घोषित परिणाम में चतरा कॉलेज के लगभग 50 प्रतिशत विद्यार्थियों को प्रमोट कर दिया गया है, जो विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। परिषद नेताओं ने कहा कि शिक्षकों की भारी कमी से पढ़ाई-लिखाई पहले से ही प्रभावित है और ऐसे में इस तरह का परिणाम छात्रों की मेहनत और भविष्य दोनों की अनदेखी है। धरना-प्रदर्शन का नेतृत्व कॉलेज अध्यक्ष साहिल सांघा और नगर सह मंत्री खुशी कुमारी ने किया।प्रदेश सह मंत्री रोहित पांडे ने कहा अभाविप हमेशा छात्रहितों की रक्षा में सबसे आगे रही है।विश्वविद्यालय प्रशासन को अब छात्रों की आवाज सुननी होगी। यदि जल्द ही सुधारित परिणाम जारी नहीं किया गया तो आंदोलन राज्यव्यापी रूप ले सकता है।कॉलेज अध्यक्ष साहिल सांघा ने कहा यह परिणाम छात्रों के भविष्य को अंधकार में धकेलने वाला है। विश्वविद्यालय प्रशासन को तुरंत निष्पक्ष और त्रुटिहीन परिणाम जारी करना होगा, अन्यथा अभाविप चुप नहीं बैठेगी।नगर सह मंत्री खुशी कुमारी ने कहा छात्रों की मेहनत का सही मूल्यांकन होना चाहिए। इतने बड़े पैमाने पर छात्रों को प्रमोट करना अन्यायपूर्ण है। यदि हमारी मांगों को गंभीरता से नहीं लिया गया तो आंदोलन और व्यापक किया जाएगा।जिला संयोजक रौनक सिंह ने कहा छात्र नेताओं और कॉलेज के प्राचार्य के बीच हुई वार्ता के बाद प्राचार्य ने छात्रों की मांगों पर विचार करने और जल्द समाधान निकालने का आश्वासन दिया है। इसी आश्वासन के आधार पर फिलहाल आंदोलन स्थगित किया गया है। लेकिन यदि समस्या का समाधान समय पर नहीं हुआ तो अभाविप पुनः आंदोलन करने को मजबूर होगी।धरना-प्रदर्शन में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ शामिल रहे। मुख्य रूप से प्रदेश सह मंत्री रोहित पांडे, प्रदेश खेलो भारत सह संयोजक मुन्ना यदुवंशी, हजारीबाग विभाग सह संयोजक उज्ज्वल साहू, जिला संयोजक रौनक सिंह, नगर मंत्री विशाल प्रजापति, कॉलेज अध्यक्ष साहिल सांघा, छात्रा प्रमुख खुशी कुमारी शामिल थी।

अभियंताओं ने धुत्साह के साथ मनाया अभियंता दिवस

संवाददाता

चतरा : जिले के अभियंताओं ने सोमवार को अभियंता दिवस धूमधाम से मनाया। भारत रत्न मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती पर पथ निर्माण विभाग के परिसर स्थित विश्वेश्वरैया भवन में आयोजित समारोह में अभियंताओं ने उनके योगदान को याद किया और तकनीकी क्षेत्र में नए संकल्प लिए। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं विश्वेश्वरैया की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। इस दौरान अभियंताओं ने उन्हें आधुनिक भारत के निर्माण में दिए गए उनके अप्रतिम योगदान को याद किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त सहायक अभियंता जवाहर प्रसाद एवं रामनरेश प्रसाद उपस्थित थे। दोनों अतिथियों ने अभियंताओं के महत्व और उनके सामाजिक उत्तरदायित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। सेवानिवृत्त सहायक अभियंता ने कहा कि अभियंता समाज की रीढ़ होते हैं। सड़कों, पुलों, भवनों से लेकर पेयजल एवं सिंचाई की व्यवस्था तक अभियंताओं की भूमिका अहम होती है। उन्होंने अभियंता दिवस को प्रेरणा दिवस बताते हुए कहा कि प्रत्येक अभियंता को विश्वेश्वरैया के आदर्शों को आत्मसात करना चाहिए।पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल के कनिय अभियंताओं राकेश पाल ने कहा कि देश की प्रगति अभियंताओं के बिना संभव नहीं है। जिस तरह डॉक्टर मानव जीवन बचाते हैं, उसी तरह अभियंता समाज की नब्ज को गति देते हैं। सड़क, पुल, बिजली, जलापूर्ति से लेकर डिजिटल तकनीक तक अभियंता ही विकास की असली धुरी हैं। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अभियंताओं को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।। वहीं युवा अभियंताओं ने संकल्प लिया कि वे तकनीक को गांव-गांव तक पहुंचाकर विकास की नई इबारत लिखेंगे। मंच पर दिए गए भाषणों में समाजहित, नवाचार और आत्मनिर्भर भारत निर्माण का संदेश गूंजता रहा। कार्यक्रम में आरसीडी के कनिय अभियंता अभिषेक कुमार गुप्ता व चंदन कुमार, पीएचईडी के कनिय अभियंता अमित कुमार और सानु संगम, एमआईडी के कनिय अभियंता धर्मेंद्र कुमार और अमित कुमार रंजन, आरडब्ल्यू के कनिय अभियंता साजिद अली, कनीय अभियंता प्रवेश कुमार विश्वकर्मा, कमल महतो, अभिषेक कुमार, अवधेश कुमार, प्रवीण कुमार, संदीप कुमार, चन्द्रशेखर, विपुल तिर्की समेत दर्जनों अभियंता उपस्थित थे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में राजस्व संबंधी समीक्षात्मक बैठक संपन्न

संवाददाता

चतरा : समाहरणालय सभाकक्ष में उपायुक्त कीर्तिश्री की अध्यक्षता में जिले में राजस्व से संबंधित विभिन्न विषयों की विस्तृत समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के राजस्व प्रशासन से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं पर गहन चर्चा करते हुए अधिकारियों को कई आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। बैठक में मुख्य रूप से दाखिल-खारिज, भू-मापी, राजस्व न्यायालय के लंबित मामलों, गैर-मजरूआ भूमि के ऑनलाइन सर्वे सहित राजस्व संबंधी अन्य विषयों की बिंदुवार समीक्षा की गई। उपायुक्त महोदया ने निर्देश देते हुए कहा कि सभी लंबित मामलों का यथाशीघ्र निष्पादन सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम जनता को समय पर न्याय एवं सुविधा मिल सके।उन्होंने विशेष रूप से हंटरगंज में 132 केवी ग्रिड के लिए अपयोजित वन भूमि के एवज में क्षतिपूरक वन रोपण हेतु गैर वन भूमि को 15 दिनों के भीतर चिन्हित करने का निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया। साथ ही चतरा अंचल अंतर्गत इंडस्ट्रियल पार्क, सोलर पार्क एवं मंडल कारा निर्माण समेत अन्य परियोजनाओं हेतु चिन्हित भूमि का प्रस्ताव शीघ्र जिला कार्यालय को भेजने का निर्देश दिया, ताकि आगे की कार्यवाही समयबद्ध तरीके से पूरी की जा सके। बैठक में स्वास्थ्य संबंधी बिंदुओं पर भी चर्चा हुई। उपायुक्त ने कुल 54 प्राथमिक स्वास्थ्य उपकेंद्र हेतु चिन्हित भूमि का स्थल निरीक्षण कराने के लिए सिविल सर्जन को निर्देशित किया और प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों से प्रतिवेदन प्राप्त करने को कहा।बैठक में उपस्थित अधिकारियों को उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी योजनाओं एवं परियोजनाओं से संबंधित प्रस्ताव, रिपोर्ट एवं अद्यतन स्थिति समय पर उपलब्ध कराएं।

कोडरमा पॉलिटेक्निक में मनाया गया इंजीनियर्स डे

सर विश्वेश्वरैया की सोच से ही भारत बना इंजीनियरिंग महाशक्ति : डॉ अयोध्या कुमार

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा : भारत रत्न सर विश्वेश्वरैया की 164वीं जयंती के अवसर पर राजकीय पॉलिटेक्निक कोडरमा जिले के जयनगर गोहाल में इंजीनियर्स डे बड़े ही हर्षोल्लास और गरिमा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के प्राचार्य डॉ. अयोध्या कुमार, वरिष्ठ व्याख्याता डॉ. मनोज कुमार, व्याख्याता सह एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट संतोष कुमार, व्याख्याता मनोरंजन कुमार एवं आर.डी. शाहा द्वारा सामूहिक दीप प्रज्वलन और सर एम. विश्वेश्वरैया के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर संस्थान के प्राचार्य डॉ. अयोध्या कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि भारत रत्न एम. विश्वेश्वरैया भारतीय इंजीनियरिंग जगत के आदर्श और प्रेरणास्त्रोत हैं। विश्वेश्वरैया की सोच से ही भारत इंजीनियरिंग महाशक्ति बन गया है। उनकी ईमानदारी और देशप्रेम आज के युवाओं के लिए पथप्रदर्शक हैं। इंजीनियर्स डे हमें संकल्प दिलाता है कि हम तकनीक और नवाचार के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान दें। वरिष्ठ गणित व्याख्याता डॉ. मनोज कुमार ने कहा कि इंजीनियरिंग केवल मशीन और तकनीक तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज और मानवता के सतत विकास का आधार है। छात्रों को चाहिए कि वे शोध एवं नवाचार की ओर अग्रसर हों। वहीं एनसीसी ऑफिसर एवं व्याख्याता लेफ्टिनेंट संतोष कुमार ने अपने विचार रखते हुए कहा कि अनुशासन नेतृत्व और देश सेवा की भावना हर इंजीनियर में होनी चाहिए। तकनीक तभी सार्थक है जब उसका उपयोग समाजहित और राष्ट्रहित में किया जाए। कार्यक्रम की सफलता के लिए फाइनल ईयर के छात्र-छात्राओं की एक ऑर्गेनाइजिंग कमिटी बनाई गई। गर्ल्स कमेटी की कोऑर्डिनेटर अनन्या नाथ तथा बॉयज कमेटी के कोऑर्डिनेटर विवेक कुमार सिंह के नेतृत्व में छात्रों ने नृत्य, संगीत और नाट्य प्रस्तुत कर कार्यक्रम को यादगार बना दिया। इस अवसर पर संस्थान के समर्पित व्याख्याताओं में डॉ. मनोज यादव मैथ्स, भूपेंद्र कुमार कंप्यूटर इंजीनियरिंग, कुमार गाथा मैकेनिकल इंजीनियरिंग, अखिलेश कुमार इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग, हीरालाल कुमार कंप्यूटर इंजीनियरिंग ने भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। मौके पर संस्थान के प्रधान सहायक रामसहाय यादव, सहायक आदित्य भगत, श्री सिंह, विनय कुमार, प्रमोद कुमार, पंकज कुमार यादव, चंदन पासवान, विक्की यादव, रामू कुमार सहित कई शिक्षक एवं कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य ने सभी छात्रों एवं व्याख्याताओं को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम न केवल शैक्षणिक वातावरण को सशक्त करते हैं, बल्कि छात्रों के व्यक्तित्व विकास में भी सहायक सिद्ध होते हैं।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर देशभर में शुरू होगा 'स्वस्थ नारी,सशक्त परिवार अभियान'

राज्य भर में खुलेंगे अबुआ मेडिकल स्टोर, कार्यक्रम में सीएम होंगे शामिल

संवाददाता

रांची: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक देश भर में 'स्वस्थ नारी,सशक्त परिवार अभियान' चलेगा। झारखंड में इसकी तैयारियां जोरों पर हैं। इस राष्ट्रीय अभियान का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 सितम्बर को इंदौर (मध्यप्रदेश) से करेंगे, जबकि झारखंड में पंचायत स्तर से लेकर मेडिकल कॉलेज तक हर जगह स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएंगे।

स्वास्थ्य विभाग की ओर से दी गयी जानकारी के अनुसार अभियान के तहत विशेष फोकस महिलाओं और किशोरियों के स्वास्थ्य पर होगा। राज्यभर में आयोजित होने वाले इन स्वास्थ्य कैंपों में ब्लड डोनेशन, बीपी, शुगर और कैंसर जैसी बीमारियों

की मुफ्त स्क्रीनिंग अनिवार्य रहेगी। महिलाओं को पोषण और आहार संबंधी विशेष जानकारी भी दी जाएगी। इसके अलावा आभा कार्ड, आयुष्मान कार्ड और दिव्यांग कार्ड जैसे स्वास्थ्य संबंधी दस्तावेज मौके पर ही बनाए और वितरित किए जाएंगे।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री होंगे शामिल

अभियान को लेकर आज स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की। इस दौरान अपर मुख्य स्वास्थ्य सचिव अजय कुमार सिंह और एनएचएम निदेशक शशि प्रकाश झा भी मौजूद थे। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री को कार्यक्रम में शामिल होने का निमंत्रण दिया, जिसे मुख्यमंत्री ने स्वीकार कर लिया है।

राज्य भर में खुलेंगे अबुआ मेडिकल स्टोर

स्वास्थ्य मंत्री डा इरफान अंसारी ने कहा कि मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद हुई बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने एक अहम घोषणा करते हुए निर्देश दिया कि पूरे राज्य में 'अबुआ मेडिकल स्टोर' खोले जाएं ताकि गरीबों को मुफ्त दवाइयां उपलब्ध कराई जा सकें। उन्होंने बताया कि पहले चरण में राज्यभर में करीब 700 अबुआ मेडिकल स्टोर खोले जाएंगे उसके अगले चरणों में और अधिक स्टोर खोले जाएंगे।

डॉ इरफान अंसारी ने बताया कि मुख्यमंत्री ने साफ कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि 'राज्य के हर सुदूर इलाके तक दवाइयां पहुंचें और इलाज के अभाव में किसी गरीब की जान न जाए।'

यह एक बड़ा कदम साबित होगा: डॉ इरफान अंसारी

इस दौरान मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने मुख्यमंत्री की दूरदर्शी सोच की प्रशंसा करते हुए कहा कि 'मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की संवेदनशील पहल झारखंड के गरीबों को मजबूत बनाएगी। अब दवा के अभाव में किसी की जान नहीं जाएगी।'

झारखंड में यह अभियान केवल स्वास्थ्य ही नहीं, बल्कि महिलाओं और परिवारों के सशक्तिकरण की दिशा में भी एक बड़ा कदम साबित होगा।

राज्य के विवि में गैर-शैक्षणिक पदों पर भर्ती, 18 सितंबर से कर सकते हैं आवेदन

रांची : झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) ने राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों में गैर-शैक्षणिक पदों पर नियमित नियुक्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। नियुक्ति के लिए विज्ञापन संख्या 09/2025 जारी किया गया है, जो जेपीएससी की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। जारी नोटिफिकेशन के अनुसार, राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों में कुल 23 पदों पर नियुक्ति की जायेगी, जिनमें रजिस्ट्रार, डिप्टी रजिस्ट्रार, असिस्टेंट रजिस्ट्रार, परीक्षा नियंत्रक, वित्त पदाधिकारी और उपनिदेशक-फिजिकल एजुकेशन के पद शामिल हैं।

इन पदों पर नियुक्ति 100 अंकों के साक्षात्कार के माध्यम से की जाएगी। इससे पहले आवेदनों की स्क्रूटनी कर एक मेधा सूची तैयार की जाएगी। बता दें कि ये पद लंबे समय से खाली पड़े हैं और वर्तमान में कई विश्वविद्यालयों में प्रभारी अधिकारियों के भरोसे काम चल रहा है।

आवेदन से जुड़ी मुख्य तिथियां :

ऑनलाइन आवेदन की प्रारंभ तिथि : 18 सितंबर 2025

ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि : 08 अक्टूबर 2025 (शाम 5:00 बजे तक)

परीक्षा शुल्क भुगतान की अंतिम तिथि : 09 अक्टूबर 2025 (शाम 5:00 बजे तक)

हार्ड कॉपी जमा करने की अंतिम तिथि : 21 अक्टूबर 2025 (शाम 5:00 बजे तक)।

झारखण्ड सरकार, कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोंदा, राँची

अतिअल्प कालीन निविदा द्वितीय आमंत्रण सूचना सं० –04/2025–26
प्रथम आमंत्रण पी0आर0न0–352685
Email Id – eedwsd.gonda@gmail.com

1. विभाग का नाम :– पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखंड, राँची।
2. विज्ञापनदाता का नाम :– कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोन्दा, राँची।
3. परिमाण विपत्र की बिक्री की अंतिम तिथि एंव समय :– 23.09.2025 को अपराह्न 1.00 बजे तक।
4. निविदा प्राप्ति की तिथि एंव समय :– 24.09.2025 को अपराह्न 3.00 बजे तक।
5. निविदा खोलने की तिथि एंव समय :– 24.09.2025 को अपराह्न 3.30 बजे।
6. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :– 1) कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोन्दा, राँची। 2) अधीक्षण अभियन्ता, पेयजल एवं स्वच्छता नागरिक अंचल, राँची।
7. निविदा प्राप्ति एंव खोलने का स्थानः– :– कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोन्दा, राँची।
8. कार्यो की विवरणी :–

क	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	B.O.Q. का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि।
1.	Special repair of having capacity 3.00 Lakh Gallon RCC sump and other its allied works at water tower campus Piska More Ranch under D.W.& S. Division, Gonda, Ranchi.	1416890.00	29000.00	2500.00	01 Month

नियम एवं शर्ते सूचनापट् पर देखा जा सकता हैं।

कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोन्दा, राँची

PR 361994 Drinking Water and Sanitation (25-26)_D

बीआईटी, मेसरा के हिंदी सेल में हिंदी पखवाड़ा का आयोजन

मेट्रो रेज

रांची: बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान, मेसरा के हिंदी सेल द्वारा 13 सितंबर को अत्यंत उत्साह के साथ हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान रांची महिला महाविद्यालय की सहायक प्रोफेसर डॉ उर्वशी शर्मा मुख्य अतिथि के रूप मे उपस्थित रही, इसके अलावा आयोजन मे संस्थान के छात्र मामलों के डीन डॉ भास्कर कर्ण, रांची हिंदी सेल के उप हिंदी अधिकारी डॉ अमित कुमार तिवारी, इलेक्ट्रोनिक्स एवं कम्युनिकेशन विभाग के विभागप्रमुख डॉ संजय कुमार झाँ, कंप्यूटर साइंस विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ नीरज सिंह उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के पहले दिन की शुरूआत पखवाड़ा प्रतियोगिता के साथ सुबह 11:00 बजे संस्थान के लेक्चर हॉल 1 मे प्रतिभागियो के बीच कविता प्रतियोगिता के साथ हुई, जिसमे छात्रों को अपने शब्दों के माध्यम से अपने विचार व्यक्त करने का अवसर प्राप्त हुआ।

इसके बाद शाम 3:00 बजे सेमीनार हॉल 1 में साहित्य सुधा का आयोजन किया गया, जिसमे हिंदी साहित्य की महानता के विषय मे उपस्थित अतिथियों द्वारा चर्चा की गई।

आयोजन को आगे बढ़ाते हुए इसके पश्च्यात संस्थान के छात्र आदित्य वत्स, रोहित सुथार,अभय आनंद, सौम्य पाराशर, अभय त्रिपाठी और अनन्य कृष्णा द्वारा हिंदी कविता वाचन किया गया।

इसके साथ हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम के पहले दिन का सामपन शाम 5:00 बजे हुआ।

हिंदी पखवाड़ा के दूसरे दिन का आयोजन 14 सितम्बर 2025 को किया गया। हिंदी सेल के उप-हिंदी अधिकारी डॉ. अमित तिवारी ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम की शुरूआत शाम 6:00 बजे विद्यार्थियों की कई उत्कृष्ट प्रस्तुतियों के साथ हुई।

झारखंड हिंदी साहित्य संस्कृति मंच की बैठक संपन्न

मेट्रो रेज

रांची: झारखंड हिन्दी साहित्य संस्कृति मंच की कार्यकारिणी की बैठक स्वास्तिक भवन में हुई। मंच के उपाध्यक्ष निरंजन प्रसाद श्रीवास्तव की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में शारदीय नवरात्र को देखते हुए 25 सितम्बर को महावीर सरावगी के जन्मदिवस पर होनेवाली काव्यगोष्ठी को स्थगित करने का निर्णय लिया गया। यह गोष्ठी अब 5 अक्टूबर को होगी। उसी दिन आमसभा की बैठक भी होगी।

बैठक में 10 अगस्त को संपन्न मंच का स्थापना दिवस, तुलसी जयंती सह सम्मान समारोह की समीक्षा भी की गई। समारोह की शानदार सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए सहयोग के लिए मंच के संरक्षक विनय सरावगी और वाईबीएन यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष रामजी यादव के प्रति आभार व्यक्त किया गया। वहीं संरक्षक द्वारा आयोजन में सक्रिय योगदान के लिए मंच के उपाध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष, कार्यक्रम संयोजिका ममता मनीष सिन्हा, ऋतुराजवर्षा, सुनीता कुमारी, कार्यकारिणी सदस्य आसित कुमार, डॉ सुरिन्दर कौर 'नीलम', मुक्ति शाहदेव एवं समस्त सदस्यों को बधाइयां दी गई।

बैठक में संरक्षक विनय सरावगी, मंच उपाध्यक्ष निरंजन प्रसाद श्रीवास्तव, सचिव बिनोद सिंह गहरवार, मंच की कार्यक्रम संयोजिका ममता मनीष सिन्हा, कोषाध्यक्ष कृष्णा विश्वकर्मा 'बादल', कार्यकारिणी सदस्य आसित कुमार, डॉ सुरिन्दर कौर 'नीलम', डॉ गीता सिन्हा 'गीतांजलि', कामेश्वर कुमार सिंह 'कामेश', मुक्ति शाहदेव और विशेष आमंत्रित अतिथि के रूप में डॉ वी के सहाय एवं गुरुकमल सिंह 'जगदेव' शामिल हुए।

अंजुमन इस्लामिया राजनीति का मंच नहीं, फलाही कार्यों का केंद्र है: गुलाम शाहिद

रांची: अंजुमन इस्लामिया को उन तथाकथित नेताओं और अवसरवादियों की आवश्यकता नहीं है, जो जात- बिरादरी के नाम पर राजनीति करते हैं। ऐसे नेताओं को अपनी गतिविधियों को निजी दायरे तक सीमित रखना चाहिए, न कि वे संगठन और समाज की राजनीति की दिशा तय करें। समाज का वास्तविक उद्देश्य गरीबों को सम्मान, शिक्षा और बराबरी के अधिकार दिलाना है।वे नेता जो अंजुमन को जात- बिरादरी की बुनियाद पर चलाते हैं, दरअसल लोकतंत्र के सिद्धांतों को ठेस पहुँचाते हैं और मुस्लिम समाज को एक संकुचित घेरे में बाँध देते हैं। अंजुमन का मूल उद्देश्य स्वस्थ नेतृत्व और फलाही कार्यों को आगे बढ़ाना है, न कि राजनीतिक एजेंडा तय करना। संगठन फलाही गतिविधियों का केंद्र है, न कि राजनीतिक विचारधाराओं के प्रचार- प्रसार का माध्यम।

समाज को पीछे ले जाने वाली परंपराएं और पुरानी बेड़ियां अब अस्वीकार्य हैं। सच्चा अध्यक्ष वही है, जो आत्ममंथन करे और यह स्वीकार करे कि अज्ञानता और कट्टर मानसिकता ने मुस्लिम समाज की तरक्की को बाधित किया है।

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, राँची पूर्व, राँची

अति अल्पकालिन निविदा सूचना –18/2025–26

1) विभाग का नाम : पेयजल एवं स्वचछता विभाग, झारखण्ड, रॉची।
2) विज्ञापन दाता का नाम : कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वचछता प्रमंडल, रॉची पूर्व रॉची।
3) परिमाण विपत्र की बिकी की अंतिम तिथि एवं समय : 24.9.2025 अपराहन 5 बजे तक।
4) निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय : 25.9.2025 अपराहन 3:30 बजे तक।
5) निविदा खोलने की तिथि एवं समय : 25.9.2025 अपराहन 4 बजे।
6) परिमाण विपत्र की बिक्री का स्थान : 1) कार्यपालक अभियंता, का कार्यालय,पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, रॉची पूर्व, रॉची। 2) अधीक्षण अभियन्ता, का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता, रॉची अंचल, रॉची।
7) निविदा प्राप्ति का स्थान : 1) कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, रॉची पूर्व, रॉची।
8) कार्य विवरणी :

क्र0	कार्य का नाम	प्रा० राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि (रु० में)	परिमाण वि० का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1	Construction of 10Nos. Toilets With Septic Tank & Soak Pit and water supply arrangement at Premises Area of Jharkhand Jaguar (STF) ,Near newly constructed firing range , Government of Jharkhand Ranchi Under D. W. & S. Division, Ranchi East, Ranchi.	₹ 18,51,101.00	37100.00	5000.00	30 Days
2	Seepage repair and Renovation , improvement of water suplly and sewarage with changing of all fittings at MLA residence Room no 20,23,102,103,104,120 at Old Vidhansabha campus dhurwa Under D. W. & S. Division Ranchi East, Ranchi.	₹ 14,70,680.00	29500.00	2500.00	30 Days
3	Seepage repair and Renovation , improvement of water supply and sewarage work with changing of all fittings at Quarter no. B-47, Block-8, B-47, Block-7 near seth sitaram Doranda and Other High court quarters Under D. W. & S. Division Ranchi East, Ranchi.	₹ 5,84,145.00	11700.00	1250.00	15 Days

आवश्यक शर्तों के लिए देखें www.jharkhand.gov.in
Email ID- eedwsd.ranchieast@gmail.com

कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्व० प्र० रॉची पूर्व रॉची

PR 362031 Drinking Water and Sanitation (25-26)_D

रांची सहित राज्य के कई जिलों में आज होगी भारी बारिश, मौसम विभाग का अलर्ट

सोमवार को राजधानी का हुआ बुरा हाल

संवाददाता

रांची: झारखंड में मानसून पूरी तरह अपने रंग में है। पिछले दो दिनों से राजधानी रांची समेत राज्य के कई जिलों में भारी बारिश हुई। सोमवार को रांची में हुई बारिश ने राजधानी में नगर निगम की तैयारियों की पोल खोल दी। कांटाटोली और बहू बाजार के बीच नया टोली पेट्रोल पंप के पास बस स्टैंड की ओर उतरने वाले रैंप के आगे एक एसयूवी अचानक गड्ढे में जा गिरी। गाड़ी में सवार महिला डॉक्टर जेनित मिंज समय रहते गेट खोलकर बाहर निकल आयीं, जिससे उनकी जान बच गयी। लोगों ने बताया कि खादगढ़ा बस स्टैंड के लिए बनाये गये रैंप के कारण नाली को ढक दिया गया है। इस वजह से पत्थलदुआ की ओर से आनेवाला नाले का पानी कांटाटोली फ्लाइओवर के नीचे जमा हो जता है। सोमवार को हुई बारिश के दौरान शहर की अधिकांश सड़कें जाम रहीं। बारिश और जाम की वजह से कैब चालकों को शाम छह से सात बजे तक बुकिंग लेने से मना कर दिया, इससे लोग

परेशान होते रहे।

पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में सामान्य से 187 फीसदी अधिक बारिश हुई। रांची में दिन में कई बार हुई बारिश की वजह से तापमान में 3.5 डिग्री सेंटीग्रेड तक की गिरावट दर्ज की गयी है। मौसम विभाग का अनुमान है कि 16 सितंबर को इसमें और 1 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आ सकती है।मौसम विभाग ने कहा है कि 16 सितंबर को आसमान में बादल छाये रहेंगे। दो बार या इससे अधिक बार हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा होगी। उच्चतम तापमान में 1 डिग्री की और गिरावट आने की संभावना है। हालांकि, न्यूनतम तापमान में किसी परिवर्तन की उम्मीद नहीं दिख रही है। मौसम पूर्वानुमान विभाग ने कहा है कि मंगलवार को रांची का उच्चतम तापमान 27 डिग्री और न्यूनतम पारा 22 डिग्री सेल्सियस रह सकता है।

आईएमडी ने मंगलवार सुबह 8:30 बजे तक गिरिडीह, देवघर, दुमका, जामताड़ा और धनबाद के लिए 'ऑरेंज' अलर्ट जारी किया, जबकि पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, खूंटी, रांची, रामगढ़, बोकारो, हजारीबाग, कोडरमा, गोड्डा, पाकुड़ और साहिबगंज जिलों के लिए 'येलो' अलर्ट जारी किया है।मौसम अधिकारी ने कहा कि इसी तरह का 'ऑरेंज' अलर्ट लातेहार, चतरा, कोडरमा और हजारीबाग के लिए जारी किया गया है। गढ़वा, पलामू, लोहरदगा, रांची, रामगढ़ और गिरिडीह के लिए 16 सितंबर की सुबह से 24 घंटे के लिए और 17 सितंबर की सुबह से 11 जिलों के लिए समान अवधि के लिए 'येलो' अलर्ट जारी किया गया है।

रांची में मानसून के सीजन में 1398.8 मिलीमीटर वर्षा हो चुकी है, जो सामान्य वषार्पात 938.6 मिलीमीटर से 49 प्रतिशत अधिक है। झारखंड में अब तक सामान्य से 20 फीसदी अधिक वर्षा हुई है। राज्य में सामान्य वषार्पात 920.8 मिलीमीटर है, जबकि इस साल झारखंड में अब तक 1100.5 मिलीमीटर वर्षा हो चुकी है।मौसम वैज्ञानिक ने बताया कि पिछले 24 घंटे के दौरान सामान्य से 187 फीसदी अधिक बारिश झारखंड में हुई। सामान्य वर्षा 7.5 मिलीमीटर की तुलना में 21.4 मिलीमीटर वर्षा हुई। सितंबर में संभवतः यह पहला दिन था, जब मानसून सामान्य से अधिक बरसा।

Affidavit

AS PER Affidavit No- 448 Dated – 11.4.2025 I Saroj singh w/o Sanjay Kumar resident of Gamharia, PO – Gamharia, PS – Ghaghra,Dist – Gumla, Jhar khand – 835208. Presently at Nalini Enclave, Ratu Road, PS – Sukhdeonagar, Ranchi . My maiden name was Saroj Kumari D/O Bansidhar Ohdar as mentioned in all certificates LIC Jeevan Umang Policy No – 858223450 and Aditya Birla Capital Health Insurance Policy No- 3-71-23-0001097-001 whereas after marriage and as pr Aadhar No- 5281 3345 2425 and in Voter ID my name is SAROJ SINGH w/o Sanjay Kumar. Such the names SAROJ SINGH and SAROJ KUMARI are similar. Above statements are true and correct.

ऊर्जा विभाग,झारखण्ड सरकार
विद्युत कार्यपालक अभियन्ता
विद्युत कार्य प्रमण्डल, इंजीनियरिंग हॉस्टल नं0–2,धुर्वा, रॉची

अति अल्पकालीन ई–प्रोक्योरमेंट सूचना
ई–निविदा प्रसंग सं0– **Energy/EWD/Ranchi/57/2025-26** दिनांक–15/09/2025

1.	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में)	परिमाण विपत्र का मूल्य	अग्रधन की राशि	कार्य समाप्ति की अवधि
I	टी0 ए0 डिवीजन, धुर्वा रॉची स्थित कमरा सं0 74, 75, 76 (सोसल ऑडिट) 61, 62, 64, 66 (पेंशन ईवाम लेखा निदेशालय), 53, 54, 55, 56 (कारा निरीक्षणालय), आपदा प्रबंधन सचिव कक्ष में विद्युत अधिष्ठापन के विशेष मरम्मति का कार्य एवं परिसर में सुरक्षा लाईट के अधिष्ठापन का कार्य।	15,91,682=00	5,000=00	32,000=00	35 दिन
II	नेपाल हाउस, डोरण्डा, रॉची स्थित मुख्य अभियन्ता (यॉ), जल संसाधन विभाग के बैरक नं0 02, कार्यपालक अभियन्ता, ग्रामीण कार्य विभाग, मिट्टी अन्वेषण प्रमण्डल रॉची के बैरक नं0 01 मे विद्युत अधिष्ठापन के विशेष मरम्मति का कार्य।	10,06,598=00	2,500=00	21,000=00	35 दिन
III	परिसदन भवन, पलामू मे के परिसर स्थित पाथ लाईट, परिसर लाईट के मरम्मति एवं फल्ड लाईट के अतिरिक्त कार्य, जिला समाहरणालय में एम0सी0सी0बी के बदलीकरण का कार्य।	11,90,180=00	2,500=00	24,000=00	35 दिन
IV	अपराध अनुसंधान विभाग, राजा–रानी कोठी, डोरण्डा, रॉची के बैरक नं0 1 एवं बैरक नं0 2 मे विद्युत अधिष्ठापन के विशेष मरम्मति का कार्य।	24,08,568=00	5,000=00	49,000=00	35 दिन
V	कॉके रोड, रॉची स्थित ज्यूडिसियल कमिशनर के आवास में विद्युत अधिष्ठापन के विशेष मरम्मति, अतिरिक्त कार्य एवं केबल, स्ट्रीट लाईट, एल0 ई0डी0 फल्ड लाईट, बगीचा लाईट, गेट लाईट के बदलीकरण का कार्य।	11,98,815=00	2,500=00	24,000=00	35 दिन
VI	लधु सिंचाई प्रमण्डल, गुमला के कार्यालय भवन में विद्युत अधिष्ठापन के विशेष मरम्मति का कार्य।	10,93,469=00	2,500=00	22,000=00	35 दिन
VII	लाईन टैंक रोड, रॉची सिथत मुख्य अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, कम्बाईड बिल्डिंग के कार्यालय के विद्युत अधिष्ठापन के विशेष मरम्मति का कार्य।	19,39,411=00	5,000=00	20,000=00	35 दिन
VIII	झारखण्ड उच्च न्यायालय, धुर्वा, रॉची के विभिन्न हॉल मे ए0सी0 वायरिंग, डिसप्ले यूनिट हेतु वायरिंग, पैडस्टल फैन, वॉल फैन एवं एक्जॉस्ट फैन के अधिष्ठापन एवं 35 के0वी0ए0 डी0जी0 सेट को जज बंगला नं0 3, राजेन्द्र चौक डोरण्डा के समीप से नये झारखण्ड उच्च न्यायालय में स्थानान्तरण का कार्य।	14,45,269=00	2,500=00	30,000=00	35 दिन
2.	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	24.09.2025			
3.	निविदा जमा करने की तिथि	25.09.2025 के 10.30 बजे पूर्वाह्न से 04.10.2025 के 2.00 बजे अपराह्न तक			
4.	निविदा खोलने की तिथि	06.10.2025 को 3.00 बजे अपराह्न में			
5.	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता	विद्युत कार्यपालक अभियन्ता, विद्युत कार्य प्रमण्डल, रॉची।			
6.	निविदा खोलने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता	विद्युत कार्यपालक अभियन्ता, विद्युत कार्य प्रमण्डल, रॉची।			
7.	ई प्रोक्युरमेन्ट प्रकोष्ट का फोन नं0/ई0 मेल	0651–2490069/electricalexecutiveengineerewd@gmail.com			

Note :- Tender Fee and Earnest Money Deposit (EMD) are to be paid through online mode only as per instruction of IT Dept. Govt. of Jharkhand Letter no.-120 Dated- 03-10-2023.
निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी हेतु वेबसाईट http://jharkhandtenders.gov.in मे देखा जा सकता है।

विद्युत कार्यपालक अभियन्ता
विद्युत कार्य प्रमण्डल,रॉची

PR 362010 Energy(25-26).D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

निवेश से रणनीति तक नई ऊँचाइयाँ

भारत और जापान के बीच संबंध ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आर्थिक दृष्टि से गहरे और सार्थक रहे हैं। बौद्ध धर्म से शुरू हुआ यह रिश्ता आज इक्कीसवीं सदी में व्यापक आर्थिक, रणनीतिक और तकनीकी साझेदारी का एक व्यापक एवं भरोसेमंद रूप ले चुका है। अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जापान यात्रा ने एक बार फिर इस मित्रता को वैश्विक परिप्रेक्ष्य में महत्वपूर्ण बना दिया है। यह यात्रा ऐसे समय पर हो रही है जब अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में गहरी हलचलें हैं, खास कर चीन के बाजार की आक्रामकता, अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध के बीच वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के पुनर्गठन के दौर का चलन जिस समय में सबसे अधिक दिखता हो । ऐसे में भारत-जापान संबंध न केवल द्विपक्षीय दृष्टि से, बल्कि वैश्विक संतुलन के लिए भी निर्णायक साबित हो सकते हैं। भारत और जापान के रिश्तों की नींव में स्वतंत्रता के बाद 1952 में परस्?पर दोनों देशों ने कूटनीतिक संबंध स्थापित किए हैं। भारत उन चंद देशों में शामिल था जिसने द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद जापान पर थोपे गए सैन फ्रांसिस्को संधि पर हस्ताक्षर नहीं किए। यह जापान के प्रति भारत की सकारात्मक सोच का प्रमाण था। इसके बाद से यदि हम देखें तो भरोसे की नींव का प्रभाव भारत के हित में कुछ इस प्रकार रहा है कि जापान पिछले दो दशकों में भारत में निवेश का बड़ा स्रोत बनकर उभरा है। अप्रैल 2000 से मार्च 2024 तक भारत में जापान का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश लगभग 40 अरब डॉलर से अधिक रहा है। यह भारत के लिए चौथा सबसे बड़ा एफडीआई स्रोत है। जापान ने अगले दस सालों में भारत में करीब ख्10 ट्रिलियन (5,800 लाख करोड़ रुपए) निवेश करने का ऐलान किया है। यह 2022 में किए गए पाँच साल के लिए ख्5 ट्रिलियन (2,750 लाख करोड़ रुपए) निवेश की प्रतिबद्धता से कहीं ज्यादा है। जापानी निवेश ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऊर्जा, मशीनरी, स्मार्ट सिटी, मेट्रो रेल, हाई स्पीड रेल और बंदरगाह विकास जैसे क्षेत्रों में केंद्रित है। टोयोटा, होंडा, सुजुकी, हिताची, पैनासोनिक और मित्सुबिशी जैसी कंपनियाँ भारत में लंबे समय से सक्रिय हैं। मारुति-सुजुकी का उदाहरण भारत-जापान औद्योगिक सहयोग की सफलता का एक ऐसा प्रतीक है जो व?श?व के कई देशों के लिए एक आदर्श मिसाल है। साथ ही एक बाजार के तौर पर यह साफ दिखाई देता है कि जापान को बड़े पैमाने वाले बाजार की जरूरत है और भारत यह अवसर देता है। अमेरिकी टैरिफ से मुनाफा घट रहा है, इसलिए जापानी कंपनियों को अब ऐसे बाजार की तलाश है जहाँ कीमतें कम हों और खपत ज्यादा। भारत इस मामले में सबसे उपयुक्त है यहाँ 1.4 अरब की जनसंख?या है, तेजी से बढ़ता हुआ मध्यम वर्ग है और 6.4% जीडीपी वृद्धि का अनुमान है। यही वजह है कि भारत आज भी जापान के लिए सबसे व्यवहारिक निवेश और ०?यापार का अवसर बना हुआ है। जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (जीका) भारत की अनेक परियोजनाओं में सहायक रही है, दिल्ली मेट्रो, मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन, दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारा आदि में इसके काम को देखा जा सकता है, जो दोनों ही देशों के परस्?पर के विश?वास को दृढ़ करने का आधार है। यह स्पष्ट है कि जापान, भारत की आर्थिक प्रगति में एक भरोसेमंद और दीर्घकालिक सहयोगी है। अतः इन सभी आधारों के प्रकाश में कहना होगा कि भारत और जापान एक-दूसरे के लिए अपरिहार्य हैं। भारत के लिए जापान उच्च तकनीक, पूँजी, हरित ऊर्जा समाधान और स्थायी निवेश का स्रोत है। जापान के लिए भारत सबसे बड़ा लोकतंत्र, दुनिया की सबसे युवा आबादी वाला वह देश हे, जिसकी अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है और जो अपने आप में एक विशाल उपभोक्ता बाजार है। दोनों देशों की यह परस्पर निर्भरता इन्हें स्वाभाविक साझेदार बनाती है। इन दोनों ही देशों के बीच यदि हम सम्?बन्?धों के आधार पर तुलनात?मक अध?ययन करें तो ध?यान में आता है कि मोदी सरकार के दौर में भारत-जापान संबंध नई ऊँचाइयों तक पहुँचे हैं। प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी की पहली द्विपक्षीय यात्रा यदि किसी देश में की तो वह जापान ही है। इस दौरान संबंध ॒विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी॒ तक उन्नत हुए। अहमदाबाद-मुंबई हाई-स्पीड रेल परियोजना में जापान का योगदान मोदी सरकार की बड़ी उपलब्धि है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा के लिए भारत, जापान, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया का क्वाड मंच सक्रिय हुआ। जापान ने भारतीय स्टार्टअप्स और डिजिटल नवाचारों में भी निवेश बढ़ाया। यह सब दशार्ता है कि मोदी सरकार में दोनों देशों के रिश्तों ने ठोस और दीर्घकालिक दिशा पाई है। आज हिंद-प्रशांत क्षेत्र वैश्विक राजनीति का केंद्र है। भारत और जापान दोनों स्वतंत्र और सुरक्षित समुद्री मार्गों के पक्षधर हैं। मालाबार अभ्यास जैसे अभियानों में जापान की भागीदारी इस साझेदारी को मजबूत करती है। साइबर सुरक्षा और आतंकवाद-विरोधी सहयोग के क्षेत्र में भी समझौते हुए हैं। चीन की विस्तारवादी नीतियों के बीच यह सहयोग पूरे एशिया-प्रशांत क्षेत्र के लिए स्थिरता का आधार बन सकता है। जापान तकनीकी नवाचार और स्वच्छ ऊर्जा में अग्रणी है। इलेक्ट्रिक वाहन, हाइड्रोजन ऊर्जा, स्मार्ट ग्रिड और नवीकरणीय ऊर्जा में जापान की विशेषज्ञता भारत के लिए उपयोगी है। यह सहयोग भारत की ॒नेट-जीरो॒ प्रतिबद्धता और जलवायु परिवर्तन से निपटने की रणनीति को मजबूती देगा। भारत में ग्रीन हाइड्रोजन मिशन और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में जापान की भूमिका निर्णायक हो सकती है। हालाँकि भारत-जापान संबंध मजबूत हैं, लेकिन चुनौतियाँ भी कम नहीं हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इस जापान यात्रा से हमें उम्?मीद करना चाहिए कि इस दिशा में पहले से कई गुना बेहतर कार्य होगा और जो रुकावटें हैं, वे समाप्?त होंगी। क?योंकि निवेश परियोजनाओं की धीमी प्रगति और नौकरशाही अड़चनें, व्यापार असंतुलन, क्योंकि भारत का आयात जापान से सबसे अधिक आज दिखाई देती हैं, जिनको लेकर दोनों देशों के बीच विश?वास बहाली के लिए अभी बहुत काम होना बाकी है। एक तरह से देखें तो भारत का मानव संसाधन और ०?यापक बाजार तथा जापान की तकनीकी दक्षता और पूँजी, दोनों देशों को भविष्य में विभिन्?न प्रकार से एक दूसरे के लिए सहयोग का अवसर प्रदान करते हैं। हमें समझना होगा कि वर्तमान दौर में प्रधानमंत्री मोदी की जापान यात्रा केवल कूटनीतिक घटना नहीं है, भले ही फिर ऐसा दिखाई देता हो, क?योंकि इस यात्रा का जो समय है, वह उस वक?त में निर्धारित हुआ है, जब अमेरिका ने भारत को आर्थक रूप से कमजोर करने के लिए उस पर भारी भरकम टैरिफ लगा दिया है। प्रधानमंत्री मोदी का जापान जाना वस्?तुतः आज यह दर्शा रहा है कि भारत अपने इस साझेदार को रणनीतिक और आर्थिक दृष्टि से उच्च प्राथमिकता देता है। पिछले वर्षों में भारत और जापान के संबंधों का दायरा केवल व्यापार और निवेश तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसमें सुरक्षा, तकनीकी नवाचार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, बुनियादी ढाँचे और सांस्कृतिक सहयोग शामिल हैं। इसलिए आज फिर एक बार भारत-जापान मित्रता का नया अध्याय लिखा जा रहा है। दोनों देशों के बीच निवेश, तकनीक, हरित ऊर्जा, सुरक्षा और सांस्कृतिक सहयोग के बहुआयामी आयाम इस रिश्ते को आने वाले दशकों तक और मजबूत करेंगे। फिर भारत और जापान न केवल द्विपक्षीय दृष्टि से बल्कि पूरे एशिया-प्रशांत क्षेत्र की स्थिरता और विकास के लिए भी एक-दूसरे के अपरिहार्य साझेदार हैं। यह यात्रा इस तथ्य को पुष्ट करती है कि भारत और जापान की साझेदारी भविष्य की वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था में निर्णायक भूमिका निभाने जा रही है।

निर्माण और शिल्पकला के देवता भगवान विश्वकर्मा

गवान ब्रह्मा के पुत्र विश्वकर्मा ने पूरे ब्रह्मांड का निर्माण किया था। विश्वकर्मा को देवताओं के महलों का वास्तुकार भी कहा जाता है। विश्वकर्मा दो शब्दों विश्व (संसार या ब्रह्मांड) और कर्म (निमार्ता) से मिलकर बना है। इसलिए विश्वकर्मा शब्द का अर्थ है दुनिया का निर्माण करने वाला। विश्वकर्मा शिल्पशास्त्र के आविष्कारक और सर्वश्रेठ ज्ञाता माने जाते हैं, जिन्होने विश्व के प्राचीनतम तकनीकी ग्रंथों की रचना की थी।

भगवान विश्वकर्मा को निर्माण एवं सृजन का देवता माना जाता है। हिंदू धर्म में इन्हें सृष्टि के दिव्य शिल्पकार, देवताओं के वास्तु विशेषज्ञ और पहले इंजीनियर के रूप में पूजा जाता है। विश्वकर्मा रचनात्मकता, तकनीकी कौशल और नवाचार के प्रतीक हैं। उनके सम्मान में भाद्रपद मास की सूर्यकन्या संक्रांति पर विश्वकर्मा जयंती मनाई जाती है। यह वह दिन है जब सूर्य सिंह राशि से कन्या राशि में प्रवेश करता है। इस दिन मजदूर, कारीगर, इंजीनियर, आर्किटेक्ट और उद्योगपति अपने औजारों और मशीनों की पूजा करते हैं।

रमेश सर्राफ धमोरा

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार चार युगों में विश्वकर्मा जी ने कई नगर और भवनों का निर्माण किया। विश्वकर्मा पूजा एक ऐसा त्योहार है जहां शिल्पकार, कारीगर, श्रमिक भगवान विश्वकर्मा का त्योहार मनाते हैं। कहा जाता है कि भगवान ब्रह्मा के पुत्र विश्वकर्मा ने पूरे ब्रह्मांड का निर्माण किया था। विश्वकर्मा को देवताओं के महलों का वास्तुकार भी कहा जाता है। विश्वकर्मा दो शब्दों विश्व (संसार या ब्रह्मांड) और कर्म (निमार्ता) से मिलकर बना है। इसलिए विश्वकर्मा शब्द का अर्थ है दुनिया का निर्माण करने वाला। विश्वकर्मा शिल्पशास्त्र के आविष्कारक और सर्वश्रेठ ज्ञाता माने जाते हैं, जिन्होने विश्व के प्राचीनतम तकनीकी ग्रंथों की रचना की थी। इन ग्रंथों में न केवल भवन वास्तु विद्या, रथ आदि वाहनों के निर्माण बल्कि विभिन्न रत्नों के प्रभाव व उपयोग आदि का भी विवरण है। माना जाता है कि उन्होनें ही देवताओं के विमानों की रचना की। भगवान विश्वकर्मा की उत्पत्ति ऋग्वेद में हुई है, जिसमें उन्हें ब्रह्मांड के निमार्ता के रूप में वर्णित किया गया है। भगवान विष्णु और शिवलिंग की नाभि से उत्पन्न भगवान ब्रह्मा की अवधारणाएं विश्वकर्मण सूक्त पर आधारित हैं। विश्वकर्मा प्रकाश को वास्तुतंत्र का अपूर्व ग्रंथ माना जाता है। इसमें अनुपम वास्तुविद्या को गणितीय सूत्रों के आधार पर प्रमाणित किया गया है। ऐसा माना जाता है कि सभी पौराणिक संरचनाए भगवान विश्वकर्मा द्वारा निर्मित हैं। भगवान विश्वाकर्मा के जन्म को देवताओं और राक्षसों के बीच हुए समुद्र मंथन से माना जाता है। पौराणिक युग के अस्त्र और शस्त्र भगवान विश्वकर्मा द्वारा ही निर्मित हैं।विश्वकर्मा जयंती का औद्योगिक जगत और भारतीय कलाकारों, मजदूरो, इंजीनियर्स आदि के लिए खास महत्व है। विश्वकर्मा जयंती जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हिमाचल, हरयाणा, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, असम, ओडिशा, त्रिपुरा, बिहार और झारखंड जैसे राज्यों में मनायी जाती है। नेपाल में भी विश्वकर्मा पूजा को बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। विश्वकर्मा के पूजन और उनके बताये वास्तुशास्त्र के नियमों का अनुपालन कर बनवाये गये मकान और दुकान शुभ फल देने वाले माने जाते हैं। इनमें कोई वास्तुदोष नहीं माना जाता। औद्योगिक श्रमिकों द्वारा इस दिन बेहतर भविष्य, सुरक्षित कामकाजी परिस्थितियों और अपने-अपने क्षेत्र में सफलता के लिए प्रार्थना की जाती है। देश के कई हिस्सों में काम बंद रखा जाता है। विभिन्न प्रदेशों की सरकार विश्वकर्मा जयन्ती पर अपने कर्मचारियों को सावेतनिक अवकाश प्रदान करती है। यह त्योहार मुख्य रूप से दुकानों, कारखानों और उद्योगों द्वारा मनाया जाता है। इस अवसर पर, कारखानों और औद्योगिक क्षेत्रों के श्रमिक अपने औजारों की पूजा करते हैं। विश्वकर्मा वैदिक देवता के रूप में सर्वमान्य हैं। इनको गृहस्थ आश्रम के लिए आवश्यक सुविधाओं का निमार्ता और प्रवर्तक भी कहा गया है। अपने विशिष्ट ज्ञान-विज्ञान के कारण देवशिल्पी विश्वकर्मा मानव समुदाय ही नहीं वरन देवगणों द्वारा भी पूजित हैं। देवता, नर, असुर, यक्ष और गंधर्व सभी में उनके प्रति सम्मान का भाव है। भगवान विश्वकर्मा के पूजन- अर्चना किये बिना कोई भी तकनीकी कार्य शुभ नहीं माना जाता। इसी कारण विभिन्न कार्यो में प्रयुक्त होनेवाले औजारों, कल-कारखानों और विभिन्न उद्योगों में लगी मशीनों का पूजन विश्वकर्मा जयंती पर किया जाता है। विश्वकर्मा को सृष्टि के रचयिता ब्रह्माजी का वंशज माना गया है। ब्रह्माजी के पुत्र धर्म तथा धर्म के पुत्र वास्तु देव थे। जिन्हें शिल्पशास्त्र का आदि पुरुष माना जाता है। इन्हीं वास्तु देव की अंगिरसी नामक पत्नी से विश्वकर्मा का जन्म हुआ। अपने पिता के पद चिह्नों पर चलते हुए विश्वकर्मा भी वास्तुकला के महान आचार्य बने। मनु, मय, त्वष्टा, शिल्पी और देवज्ञ इनके पुत्र हैं। इन पांचों पुत्रों को वास्तुशिल्प की अलग-अलग विधाओं में विशेषज्ञ मानाजाता है। पौराणिक साक्ष्यों के मुताबिक स्वर्ग लोक की इन्द्रपुरी, यमपुरी, वरुणपुरी, कुबेरपुरी, असुर राज रावण की स्वर्णनगरी लंका, भगवान श्रीकृष्ण की समुद्र नगरी द्वारिका और पांडवों की राजधानी हस्तिनापुर के निर्माण का श्रेय भी विश्वकर्मा को ही जाता है। पौराणिक कथाओं में इन उत्कृष्ट नगरियों के निर्माण के रोचक विवरण मिलते हैं। ओडिशा का विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर तो विश्वकर्मा के शिल्प कौशल का अप्रतिम उदाहरण माना जाता है। विष्णु पुराण में उल्लेख है कि जगन्नाथ मंदिर की अनुपम शिल्प रचना से खुश होकर भगवान विष्णु ने उन्हे शिल्पावतार के रूप में सम्मानित किया था। महाभारत में पांडव जहां रहते थे उस स्थान को इंद्रप्रस्थ के नाम से जाना जाता था। इसका निर्माण भी विश्ववकर्मा ने किया था। कौरव वंश के हस्तिनापुर और भगवान कृष्ण के द्वारका का निर्माण भी विश्वणकर्मा ने ही किया था। सतयुग का स्वर्ग लोक, त्रेतायुग की लंका, द्वापर की द्वारिका और कलयुग के हस्तिनापुर आदि के रचयिता विश्वकर्मा जी की पूजा अत्यन्त शुभकारी है। सृष्टि के प्रथम सूत्रधार, शिल्पकार और विश्व के पहले तकनीकी ग्रन्थ के रचयिता भगवान विश्वकर्मा ने देवताओं की रक्षा के लिये अस्त्र-शस्त्रों का निर्माण किया था। विष्णु को चक्र, शिव के त्रिशूल, इंद्र को वज्र, हनुमान को गदा और कुबेर को पुष्पक विमान विश्वकर्मा ने ही प्रदान किये थे। सीता स्वयंवर में जिस धनुष को श्रीराम ने तोड़ा था वह भी विश्वकर्मा के हाथों बना था। जिस रथ पर निर्भर रहकर श्रेष्ठ धनुर्धर अर्जुन संसार को भस्म करने की शक्ति रखते थे उसके निमार्ता विश्वकर्मा ही थे। पार्वती के विवाह के लिए जो मण्डप और वेदी बनाई गई थी वह भी विश्वकर्मा ने ही तैयार की थी।माना जाता है कि विश्वकर्मा ने ही लंका का निर्माण किया था। इसके पीछे कहानी है कि शिव ने माता पार्वती के लिए एक महल का निर्माण करने के लिए भगवान विश्वकर्मा से कहा तो विश्वकर्मा ने सोने का महल बना दिया। इस महल के पूजन के दौरान भगवान शिव ने राजा रावण को आंमत्रित किया। रावण महल को देखकर मंत्रमुग्ध हो गया और जब भगवान शिव ने उससे दक्षिणा में कुछ देने को कहा तो उसने महल ही मांग लिया। भगवान शिव उसे महल देकर वापस पर्वतों पर चले गए। विश्वकर्मा ने देवताओं के लिए उड़ने वाले रथों का निर्माण किया था। विश्वकर्मा ने देवताओं के राजा इंद्र का हथियार वज्र का निर्माण किया था। वज्र को ऋषि दधीचि और अज्ञेयस्त्र की हड्डियों से बनाया गया है। भगवान विष्णु का सुदर्शन चक्र उनकी शक्तिशाली रचनाओं में से एक था।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 17 सितंबर, 2023 को प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना प्रारम्भ की थी। इसमें अपने हाथों और औजारों से काम करने वाले कारीगरों और शिल्पकारों को संपूर्ण सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना में 18 व्यवसायों में लगे कारीगर और शिल्पकार शामिल हैं, जैसे बढ़ई, नाव निमार्ता, कवचकार, लोहार, हथौड़ा और औजार बनाने वाला, ताला बनाने वाला, सुनार, कुम्हार, मूर्तिकार, पत्थर तोड़ने वाला, चर्मकार, जूते बनाने वाले, राजमिस्त्री, टोकरी,चटाई, झाड़ू बनाने वाला, बुनकर, गुड़िया और खिलौने बनाने वाला (पारंपरिक), नाई, माला बनाने वाला (मालाकार), धोबी, दर्जी और मछली पकड़ने के जाल बनाने वाले लोग शामिल हैं। पीएम विश्वकर्मा योजना में पीएम विश्वकर्मा प्रमाणपत्र और पहचान पत्र के माध्यम से मान्यता, कौशल सत्यापन के माध्यम से कौशल उन्नयन, बुनियादी कौशल, उन्नत कौशल प्रशिक्षण, उद्यमशीलता ज्ञान, 15,000 रुपये तक के टूलकिट प्रोत्साहन, तीन लाख रुपये तक की ऋण सहायता दी जाती है।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

भारत की आर्थिक रफ्तार पर वैश्विक मुहर

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हों या उनके तमाम सहयोगियों के बयान जिनसे भारत की अर्थव्यवस्था को कमजोर करने का प्रयास हुआ, लेकिन लोगों ने उन पर भरोसा नहीं किया है। अब फिच की ओर से किया गया ये जीडीपी ग्रोथ दर का अनुमान संशोधन ट्रंप की टिप्पणी का करारा जवाब माना जा रहा है। वस्तुत: फिच का ताजा अनुमान भारत की आर्थिक सेहत की गवाही है।

भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर दुनिया की प्रमुख आर्थी?क एजेंसियां इन दिनों जिस तरह के अनुमान जारी कर रही हैं, वे भरोसा दिला रहे हैं और इस तथ्य को पुष्ट करते हैं कि भारत आज वैश्विक ग्रोथ का केंद्र बन चुका है। हाल ही में फिच रेटिंग्स ने भारत की जीडीपी ग्रोथ दर का अनुमान बढ़ाकर 6.9 प्रतिशत कर दिया। यह पहले 6.5 प्रतिशत था। ऐसा कदम किसी भी देश के लिए बड़ी राहत और मजबूती का संकेत होता है। दिलचस्प बात यह है कि यह बढ़ोतरी उस समय आई है जब अमेरिका के साथ व्यापारिक तनाव को लेकर तमाम तरह की आशंकाओं के बीच फिर से दोनों नए सिरे से

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

टैरिफ संवाद शुरू कर चुके हैं । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हों या उनके तमाम सहयोगियों के बयान जिनसे भारत की अर्थव्यवस्था को कमजोर करने का प्रयास हुआ, लेकिन लोगों ने उन पर भरोसा नहीं किया है। अब फिच की ओर से किया गया ये जीडीपी ग्रोथ दर का अनुमान संशोधन ट्रंप की टिप्पणी का करारा जवाब माना जा रहा है। वस्?तुतः फिच का ताजा अनुमान भारत की आर्थिक सेहत की गवाही है। चालू वित?त वर्ष की पहली तिमाही यानी जनवरी-मार्च 2025 में जीडीपी ग्रोथ 7.4 प्रतिशत रही। इसके बाद अप्रैल-जून तिमाही में यह और तेज होकर 7.8 प्रतिशत पर पहुंच गई। यह आंकड़ा फिच की पिछली भविष्यवाणी से कहीं बेहतर है। जून में एजेंसी ने 6.7 प्रतिशत ग्रोथ का अनुमान दिया था।

देखा जाए तो अब उसी को बढ़ाकर पूरे वित्त वर्ष के लिए 6.9 प्रतिशत कर दिया गया है। हालांकि फिच ने यह भी स्पष्ट किया है कि वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में ग्रोथ की रफ्तार थोड़ी धीमी पड़ सकती है। यही कारण है कि उसने 2026-27 के लिए वृद्धि दर का अनुमान 6.3 प्रतिशत और 2027-28 के लिए 6.2 प्रतिशत रखा है। यह स्वाभाविक भी है, क्योंकि फिलहाल भारतीय अर्थव्यवस्था अपनी पूरी क्षमता से कुछ ऊपर चल रही है। फिच का कहना है कि घरेलू मांग में तेजी भारत की अर्थव्यवस्था को सहारा दे रही है। आय बढ़ने से लोग ज्यादा खर्च कर रहे हैं। कंपनियां निवेश कर रही हैं। बुनियादी ढांचे में भारी पूंजी डाली जा रही है। सेवा क्षेत्र और सूचना प्रौद्योगिकी लगातार नई ऊंचाइयां छू रहे हैं। यही वजह है कि भारत फिलहाल दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है। फिच से पहले एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर आश्वस्त करने वाला कदम उठाया था। एजेंसी ने लगभग 18 साल बाद भारत की सॉवरेन रेटिंग को ॒बीबीबी माइनस॒ से बढ़ाकर ॒बीबीबी॒ कर दिया। यह छोटा बदलाव नहीं है। इसका सीधा संदेश वैश्विक निवेशकों को गया कि भारत में राजनीतिक स्थिरता है, नीतियां निवेश के अनुकूल हैं और वित?तीय अनुशासन बनाए रखने की कोशिशों में भी सफल है। किसी भी देश के लिए यह बड़ी उपलब्धि होती है जब तमाम दबावों के बीच भी उसकी रेटिंग सुधरती है। भारतीय रिजर्व बैंक ने भी 2025-26 के लिए जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 6.5 प्रतिशत लगाया है। केंद्रीय बैंक का मानना है कि घरेलू खपत और मजबूत कृषि उत्पादन इसकी मुख्य वजह होंगे। दिलचस्प है कि फिच की रिपोर्ट में यह भी उम्मीद जताई गई है कि आरबीआई वर्ष के अंत तक रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती कर सकता है। यदि ऐसा होता है तो यह निवेश और खपत दोनों को नई ताकत देगा। वैश्विक संस्थाएं भी भारत को लेकर सकारात्मक हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने 2025-26 के लिए भारत की ग्रोथ दर 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। विश्व बैंक ने इसे थोड़ा कम करते हुए 6.3 प्रतिशत बताया है। एशियाई विकास बैंक का अनुमान 6.5 प्रतिशत है। मूडीज ने भी 6.3 प्रतिशत की ग्रोथ दर का आकलन किया है। दूसरी ओर, भारत सरकार की आर्थिक समीक्षा 2025 में कहा गया है कि वित्त वर्ष की वृद्धि दर 6.3 से 6.8 प्रतिशत के बीच रहेगी। इन सबको मिलाकर देखें तो तस्वीर बेहद स्पष्ट है कि भारत में जीडीपी ग्रोथ बनी रहेगी। सभी एजेंसियां इस बात पर समान रूप से सहमत हैं कि भारत छह प्रतिशत से ऊपर की स्थिर और मजबूत वृद्धि हासिल करेगा। फिच ने महंगाई पर भी उम्मीद जगाने वाले अनुमान दिए हैं। उसका मानना है कि 2025 के अंत तक महंगाई दर 3.2 प्रतिशत रहेगी जबकि 2026 के अंत तक यह 4.1 प्रतिशत तक जा सकती है। यह अनुमान भारत के उपभोक्ताओं के लिए राहत का संदेश है, क्योंकि वैश्विक स्तर पर खाद्य और ईंधन की कीमतों में अस्थिरता बनी हुई है, लेकिन भारत में भंडार पर्याप्त हैं और मानसून भी बेहतर है।

अब सवाल उठता है कि आखिर क्यों वैश्विक एजेंसियों का भरोसा भारत पर बढ़ रहा है? दरअसल इसके पीछे कई वजहें हैं। सबसे पहली है घरेलू मांग। भारत की जनसंख?या विशाल है और लगातार आय बढ़ रही है। लोग उपभोग पर खर्च कर रहे हैं। डिजिटल अर्थव्यवस्था ने भी इसमें नई रफ्तार दी है। यूपीआई और अन्य भुगतान प्रणालियों ने खपत का नया ढांचा खड़ा किया है। दूसरी वजह है सरकार का बुनियादी ढांचे पर जोर। सड़कों, रेल, बंदरगाहों और ऊर्जा क्षेत्र में भारी निवेश ने आर्थिक गतिविधियों को गति दी है। सेवा क्षेत्र और आईटी इंडस्ट्री ने भारत की वैश्विक छवि मजबूत की है। और सबसे बड़ी ताकत है युवा शक?ति होना और उसका संख?या बल। भारत की युवा शक्ति आज खपत बढ़ने के साथ ही उद्यमिता और नवाचार का भी केंद्र बनकर सामने आई है। कुल मिलाकर भारत की आर्थिक कहानी उत्साहजनक है। यह ऐसी घड़ी है जब विकसित देश भी स्थिरता पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। वहीं, भारत 6 से 7 प्रतिशत की मजबूत गति से बढ़ रहा है। यह स्?थि?ति वर्तमान भारत की आर्थी?क ताकत दशार्ती है। कहना होगा कि आज भारत उस मोड़ पर आ पहुंचा है जहां वह न केवल अपनी जनता की आकांक्षाओं को पूरा करता है बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी नई ऊर्जा दे रहा है। वस्?तुतः फिच, एसएंडपी, आईएमएफ, विश्व बैंक, एडीबी और मूडीज जैसी संस्थाओं की राय से एक बात तो स्पष्ट है कि यदि नीतिगत स्थिरता बनी रही और वैश्विक चुनौतियों से संतुलित ढंग से निपटा गया तो 2025-26 और आगे के वर्ष भारत की आर्थिक यात्रा को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। ऐसे समय में जब बड़ी अर्थव्यवस्थाएं संकटों से जूझ रही हैं, भारत का यह उभार हर भारतीय के लिए गर्व का विषय है।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

इस नवरात्रि दुर्गा पूजा पर करें इन मंदिरों के दर्शन

नवरात्रि का पर्व मां दुर्गा के 9 अलग-अलग स्वरूपों की पूजा की जाती है और उनकी कृपा पाने के लिए अधिक शुभ माना गया है। वैदिक पंचांग के मुताबिक इस बार 22 सितंबर 2025 से शारदीय नवरात्रि की शुरूआत हो रही है। नवरात्रि का पर्व बेहद खास माना जाता है और हर जगह पर अलग-अलग तरीकों से नवरात्रि का सेलिब्रेशन होता है। वहीं भारत में कई ऐसे मंदिर हैं, जहां पर नवरात्रि के पर्व को बेहद भव्य तरीके से मनाया जाता है। नवरात्रि के मौके पर गरबा, डांडिया और भव्य पंडाल सजाए जाते हैं। जिससे रौनक और भी कई गुना बढ़ जाती है। वहीं भारत में कई ऐसे मंदिर हैं, जोकि नवरात्रि पर दुर्गा पूजा के लिए काफी फेमस हैं। यहां पर आपको नवरात्रि का रंग सबसे ज्यादा देखने को मिलता है। ऐसे में अगर आप भी इस नवरात्रि को खास तरीके से मनाना चाहती हैं। तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उन मंदिरों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर दुर्गा पूजा के मौके पर दर्शन के लिए जा सकते हैं।

कालीघाट मंदिर, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

कोलकाता की दुर्गा पूजा काफी ज्यादा भव्य तरीके से होती है। इस दौरान यहां का नजारा एकदम अलग होता है। नवरात्रि के मौके पर शहर में भक्ति और उत्साह का माहौल रहता है। इस खूबसूरत राज्य में हर जगह मां दुर्गा के पंडाल लगते हैं, इस दौरान महिलाएं विशेष रूप से तैयार होती हैं। नवरात्रि पर यहां सिंदूर से होली खेली जाती है। यहां पर स्थित कालीघाट मंदिर 51 शक्तिपीठों में से एक है। इसलिए आपको नवरात्रि के मौके पर एक बार यहां जरूर आना चाहिए।

वैष्णो देवी, जम्मू-कश्मीर

वैष्णो देवी मंदिर भारत के सबसे पवित्र तीर्थ स्थलों में से एक है। वैष्णो देवी मंदिर में पूरे साल यहां पर भक्तों की भीड़ देखने को मिलती है। लेकिन नवरात्रि के मौके पर यहां का अलग ही नजारा होता है। माता के दर्शन के लिए श्रद्धालु कठिन चढ़ाई करते हैं और 'जय माता दी' के जयकारे लगाते हैं। नवरात्रि के दिनों में मां वैष्णों के मंदिर में विशेष पूजा होती है। इसलिए इस दुर्गा पूजा में आप वैष्णों देवी मंदिर आ सकते हैं और यहां पर भक्तों के लिए विशेष भंडारे और जागरण होते हैं।

विंध्याचल धाम, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश के मिजार्पुर जिले में स्थित विंध्यवासिनी देवी मंदिर भी नवरात्रि के मौके पर एक अलग तरीके से सजाया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि यहां पर मां विंध्यवासी अपने श्रद्धालुओं की सभी मनोकामनाएं पूरी करती हैं। ऐसे में इस दुर्गा पूजा आप भी यहां पर दर्शन के लिए आ सकते हैं।

टिप्स

काशी की गलियों का स्वाद घर पर

बनारस यानी की वाराणसी सिर्फ मंदिरों, घाटों और संगीत का शहर नहीं बल्कि यहां की गलियां भी काफी फेमस है। इसके अलावा बनारस की एक अनोखी चाट भी काफी ज्यादा फेमस है। इस चाट के बारे में वह लोग जरूर जानते होंगे, जो बनारस गए हैं। बनारस में दशाश्वमेध घाट के पास या गोदौलिया चौराहे की फेमस टमाटर चाट काफी ज्यादा मशहूर है। इस चाट की यह खासियत है कि इसको खाने के बाद हर कोई दीवाना हो जाता है। यह कोई आलू टिक्की और पानी पूरी जैसी चाट नहीं है, बल्कि यह एक खास तरीके की चाट है। इस चाट में टमाटर, मसाले, देसी घी और खुशबूदार चटनी का ऐसा मेल होता है, जोकि स्वाद में लाजवाब है। इस चाट की यह खासियत है कि इसको स्ट्रीट स्टाइल में कड़ाही में ही तैयार किया जाता है। गर्मागर्म, देसी घी में तली हुई और ऊपर से कुरकुरी नमकीन और धनिया से गॉर्निश की जाती है। इस चाट को बनाना बहुत आसान है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपके साथ टमाटर चाट की रेसिपी शेयर करने जा रहे हैं।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in** **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

न्यूज IN ब्रीफ

ऑनलाइन माध्यम से इग्नू की आधिकारिक वेबसाइट से नामांकन कर सकते हैं

साहिबगंजः-इग्नू क्षेत्रीय कार्यालय,देवघर के निदेर्शानुसार,इग्नू अध्ययन केन्द्र3605,साहिबगंज महाविद्यालय साहिबगंज के समन्वयक डॉ.ध्रुब ज्योति कुमार सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि सत्रांत परीक्षा दिसंबर 2025 हेतु परीक्षा प्रपत्र 06 अक्टूबर 2025 तक बिना विलंब शुल्क के भरे जा रहे हैं। इसके बाद 06 अक्टूबर 2025 से 20 अक्टूबर 2025 तक 1100 विलंब शुल्क के साथ भरे जाएंगे ।डॉ.सिंह ने आगे बताया कि सत्रांत परीक्षा दिसंबर 2025 के लिए सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2025 है ।साथ ही जुलाई 2025 सत्र के लिए नव नामांकन की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2025 निर्धारित की गई है ।जिन विद्यार्थियों को स्नातक स्नातकोत्तर एवं डिप्लोमा कार्यक्रमों में नामांकन लेना है। वे ऑनलाइन माध्यम से इग्नू की आधिकारिक वेबसाइट के द्वारा नामांकन कर सकते हैं ।उन्होंने कहा की अधिक जानकारी के लिए इग्नू अध्ययन केन्द्रझ3605,साहिबगंज महाविद्यालय, साहिबगंज से संपर्क करें।

पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय अपने एक दिवसीय दौरे मे बरहरवा पहुंचे

साहिबगंज : झारखण्ड कांग्रेस के प्रभारी के राजू,कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश,विधायक दल के नेता प्रदीप यादव पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय अपने एक दिवसीय दौरे मे बरहरवा पहुंचने के दौरान बरहेट तीन मोहनी चौक में बरहेट कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष तैमूर अंसारी के नेतृत्व में झारखंड कांग्रेस प्रभारी के.राजू,प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश विधायक दल के नेता प्रदीप यादव पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय का स्वागत माला एंव डायरी देकर किया। सिद्धो कान्हु की प्रतिमा पर माला पहनाकर सिद्धो कन्हु अमर रहे का नारा भी लगाया ।वही प्रखण्ड कांग्रेस कार्यालय भी गये सभी प्रखंड के कार्यकर्ताओ से भी मिले !मौके पर बरहेट कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष तैमूर अंसारी,हराधन तूरी,अफजल अंसारी अख्तर अंसारी,जयदेव रजवार,सद्दाम अंसारी,सुल्तान अहमद रामचंद्र पंडित, महताब,हमीद,नेयमूल अंसारी नूनवा हेम्ब्रम,मो.वसीम आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

नकली विदेशी शराब की फैक्ट्री का हुआ भंडाफोड़

साहिबगंज : जिला के रागा थाना छेत्र के शिवपहार मे रांगा थाना पुलिस ने नकली विदेशी शराब की फैक्ट्री का खुलासा किया है ।पुलिस ने छापेमारी कर भारी मात्रा में नकली विदेशी शराब जब्त किया है ।साथ ही शराब बनाने के केमिकल के अलावा खाली बोतल, नकली ब्रांडेड स्टीकर व ढक्कन भी बरामद किया है। मामले में चार लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। रांगा थाना प्रभारी अखिलेश कुमार यादव को गुप्त सूचना मिली कि थाना क्षेत्र के शिवापहाड़ में किराये के मकान में अवैध रूप से नकली विदेशी शराब बनायी जा रही है। थाना प्रभारी ने अपनी टीम के साथ उक्त स्थान पर छापेमारी की जहां आइबी, आरएस व बी सात कंपनी की 202 बोतल नकली विदेशी शराब बरामद की गयी। इसके साथ ही पुलिस ने चार विभिन्न कंपनियां के कुल 1088 पीस ढक्कन, 432 पीस खाली बोतल 1296 स्टीकर, 20 लीटर स्प्रिट, शराब का रंग तैयार करने वाला 100 एमएल कलर के साथ कई सामान बरामद किया है ।वही इस मामले मे चार लोगो पर प्राथमिक दर्ज की गई है।

सभी जिले के डीसी और एसपी की होगी बैठक : आईजी

साहिबगंज : संथाल परगना में बेहतर विधि व्यवस्था बनाने के लिए बहुत जल्द आयुक्त दुमका की अध्यक्षता में सभी जिले के डी सी और एस पी की बैठक होंगी। जिसमे पुरे इलाके में विधि व्यवस्था को और बेहतर बनाने पर चर्चा होगा ।यह बाते संथाल परगना के आई जी शैलेन्द्र सिन्हा साहिबगंज में कहते हुए कहा की फिलहाल साहिबगंज जिला में साइबर अपराध नियंत्रण में हैं। साहिबगंज के बारहरवा एसडीपीओ कार्यालय के वार्षिक निरिक्षण में आई जी दुमका साहिबगंज पहुंचे ।जहाँ उन्होंने एसडीपीओ कार्यालय के दैनिक पंजी अपराध अनुशंधान और क्षेत्र की विधि व्यवस्था का निरिक्षण किया। आई जी के निरिक्षण से पुलिस पदाधिकारियों में हड़कंप मची गई ।सभी नियमानुसार अपने कार्यों के निष्पादन में लगे रहे ।मौके पर साहिबगंज एस पी अमित कुमार सिंह, बारहरवा एसडीपीओ नितिन खंडेलवाल सभी थाना प्रभारी उपस्थित रहे।

शिक्षक प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

पाटन : पलामू जिले के पाटन में प्राइवेट स्कूल एसोसियन की प्रखंड इकाई के तत्वावधान में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अथिति डीईओ पलामू सौरभ प्रकाश तथा विशिष्ट अतिथि अविनाश वर्मा, अविनाश देव उपस्थित होकर समारोह में उपस्थित शिक्षकों को प्रोत्साहित किया। होली किड्स पब्लिक स्कूल के निदेशक बबलु गुप्ता तथा होली चाइल्ड पब्लिक स्कूल-नावाजयपुर के निदेशक सह पाटन प्राइवेट स्कूल संघ अध्यक्ष बिरेन्द्र प्रसाद ने हिंदी दिवस पर पर कार्यक्रम का आयोजन किया।

हिंदी केवल राष्ट्रीय एकता की भाषा नहीं बल्कि विश्व पटल पर एक सशक्त भाषा के रूप में स्थापित हो रही है : प्राचार्य

संवाददाता

साहिबगंज : जिले के मॉडल कॉलेज राजमहल में आज हिंदी पखवाड़ा 2025 के उपलक्ष्य में वैश्विक भाषा हिन्दी का विकास और संभावनाएं विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का सफल आयोजन किया गया ।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि समाजसेवी बजरंगी प्रसाद यादव ने सिदो कान्हो मुर्मू की तस्वीर पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित कर किया ।मुख्य अतिथि बजरंगी प्रसाद यादव ने कहा कि हिंदी की वैश्विक प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला ।साथ ही जल,जंगल,जमीन संरक्षण और प्लास्टिक के सिंगल यूज पर प्रकाश डाला ।मॉडल कॉलेज राजमहल के प्राचार्य डॉ रणजीत कुमार सिंह ने कहा कि हिंदी केवल राष्ट्रीय एकता की भाषा नहीं बल्कि विश्व पटल पर ज्ञान,साहित्य,तकनीक और व्यापार की भी एक सशक्त भाषा के रूप में स्थापित हो रही है ।उन्होंने हिंदी के वैश्विक विकास की संभावनाओं पर विस्तार से अपने विचार साझा किए ।इस अवसर पर आरण्यक काव्य मंच साहिबगंज के प्रख्यात कविगणों विजय कुमार भारती कितना प्यारा सा अपना देश या भारत हमारा है ।सभी मजहब के लोगों ने मिल इसे संवारा हैᳵ के माध्यम से देश समाज और भाषा पर अपनी व्यथा कही ।शंभू नाथ यादव ने कहा कवि लिखो ।उजड़ते जंगल और झाड़ियां लिखो चीखती चिल्लाती राजमहल की पहाड़ियां लिखो ।अभय कुमार सिन्हा लोकतंत्र छुट्टी पर है ।कविता का पाठ कर मानवीय संवेदनाओं को सरकारी तंत्र के नजर अंदाज करने पर व्यंग्य किया ।अभय कुमार ने कहा देखो पहाड़ नित हो रहा नंगा,धीरे धीरे लुप्त हो रही गंगाᳵअमन कुमार होली ने अंग्रेजी चाची,उर्दू मौसी और हिंदी माँ, माँ है मेरी हिंदी,जिसने मुझे चलना सिखाया,ममता की छाँव में,हर शब्द नया बताया कविता के माध्यम से हिन्दी अंग्रेजी की प्रासंगिकता बताई व सपना चन्द्रा ᳵहिंदी एक सरिता है उसे बहने दीजिए,शब्द शब्द शहद है उसे घुलने दीजिए ने अपनी सुमधुर एवं विचारोत्तेजक कविताओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। मौके पर डॉ विवेक महतो,डॉ जावेद,डॉ अभिमन्यु कुमार,पंकज घोष,सोनी सुजीत,मंजू सिंह आकिब जावेद वैभव कुमार तथा महाविद्यालय के अन्य शिक्षक गण,छात्र-छात्राएँ, गैर-शैक्षणिक कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में स्थानीय हिंदीप्रेमी उपस्थित रहे।

संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत कांग्रेस की विशेष समीक्षा बैठक आयोजित

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : संगठन सृजन कार्यक्रम 2025 के तहत सोमवार को निशा मैरिज हॉल, बरहड़वा में ग्राम पंचायत कांग्रेस कमिटी एवं शहरी निकाय के संगठनिक विस्तार पर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष बरकत खान ने की ।बैठक में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रभारी के.राजू,प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश,विधायक दल उप नेता प्रदीप यादव,पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय,अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष शमशेर आलम और पिछड़ा आयोग के अध्यक्ष केदार पासवान,झारखंड प्रदेश कांग्रेस महासचिव तनवीर आलम सहित अन्य वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे ।इस अवसर पर नगर पंचायत क्षेत्र के पांच पंचायत आहुतग्राम,महाराजपुर,हरिहरा, श्रीकुंड और बटाईल की कमिटी, प्रखंड कमिटी,मंडल अध्यक्ष,नगर अध्यक्ष और वार्ड अध्यक्षों ने भाग लिया ।झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रभारी के.राजू ने कहा कि संगठन की जड़ केवल कार्यकर्ता हैं और सभी से बूथ स्तर तक सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि कांग्रेस की असली ताकत जमीनी कार्यकताओं में है और गांव-गांव तक पहुंचकर संगठन को मजबूत करना प्राथमिकता है !विधायक दल उप नेता प्रदीप यादव ने कहा,ह्लहर बूथ, पंचायत और नगर स्तर पर कार्यकताओं की सक्रिय भागीदारी से ही संगठन मजबूत होगा ।सभी कार्यकताओं को जिम्मेदारी के साथ बूथ स्तर तक संगठन को सुदृढ़ करने का संकल्प लेना चाहिए ।ह्व पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष शमशेर आलम और पिछड़ा आयोग के अध्यक्ष केदार पासवान ने भी कार्यकताओं को सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया ।बैठक में उपस्थित सभी कार्यकताओं ने संगठन सृजन अभियान 2025 को सफल बनाने का संकल्प लिया ।कार्यक्रम का उद्देश्य संगठन को मजबूत बनाने के साथ-साथ पार्टी कार्यकताओं में एकजुटता जागरूकता और अनुशासन बढ़ाना भी था ।इस बैठक के माध्यम से कांग्रेस ने स्पष्ट संदेश दिया कि पार्टी का फोकस आगामी वर्षों में जमीनी संगठन सृजन और सभी वर्गों तक अपनी पहुंच मजबूत करने पर रहेगा ।मौके पर वरिष्ठ कांग्रेसी कमल आर्य,मोहम्मद नसरुद्दीन,गुलाम रब्बानी,अशोक दास,रंजीत टुडू,अनुकूल मिश्रा,मुफक्कर हुसैन,रैसुल आलम भोलानाथ महतो,सहनवाज नासिर,नेहाल अख्तर अनंत लाल भगत,दिलदार आलम,मनोज घोष, शरिक रब्बानी सहित अन्य मौजूद थे।

वन प्रमण्डल पदाधिकारी ने नवोदय विधालय परिसर में किया पौधरोपण

संवाददाता

साहिबगंज : गंगा मिशन कोलकाता साहिबगंज द्वारा आयोजित गंगा हरित अभियान के तहत जहवार नवोदय विद्यालय साहिबगंज के छात्र-छात्राओं के बीच फलदार पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया ।जहां मुख्य अतिथि जिला वन्य प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग डीएसपी विजय कुशवाहा जहवार नवोदय विघालय प्राचार्य अमोद कुमार सिंह के द्वारा आम,कटहल सपाटु, आंवला,अमरूद का पौधा विघालय परिसर लगाया गया !छात्राओं कार्यक्रम की शुरूआत प्रबल गर्ग ने अपने संबोधन में कहा कि जब समाज,संस्था और प्रशासन एकजुट होकर आगे बढ़ते हैं ।तभी प्रकृति पर्यावरण संरक्षण गंगा पुनर्जीवन का संकल्प साकार होता है। प्राकृतिक की रक्षा करना छोटे बड़े सब की जिम्मेदारी है प्राकृतिक आपदा , प्राकृतिक से छेड़छाड़ करने पर हो रहा है ।संकट में है,पृथ्वी को बचाने के लिए हमलोगों को आगे बढ़ चढ़ कर वृक्ष का रोपण करना होगा ।वृक्ष ही प्राकृतिक है, प्राकृतिक ही जीवन है ।पेड़ पौधा लगाकर पर्यावरण वातावरण को हरा भरा रखे ।वृक्ष नहीं होगा तो बारिश नहीं होगा, भोजन नहीं मिलेगा ।पानी की आवश्यकता,वायु की आवश्यकता,खाने की आवश्यकता वृक्ष द्वारा पूरी होती है सरकार बिरसा हरित ग्राम योजना के साहिबगंज जिला बाढ़ ग्रसित एवं जल जमाव का क्षेत्र है ।पेड़ लगाने से भूमि कटाई की रोकथाम होती है ।पौधा से हरियाली के साथ साथ पक्षियों को रहने के लिए अपना घर मिलता है ।गंगा हमारी मां हैं,गंगा बचेगी तब हमलोग बचेंगे और प्राकृतिक बचेगी,गंगा जीवन दायिनी है। पुलिस उपाधीक्षक विजय कुशवाहा ने कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा में नवोदय विद्यालय ने आज बड़ी भूमिका निभाई है के प्रति लोगों को जागरूक करने का वृक्ष कार्य कर रही है इसके लिए गंगा मिशन भी बधाई के पात्र है इस अवसर पर नवोदय विद्यालय के प्राचार्य अमोद कुमार सिंह अतिथि वन प्रमंडल पदाधिकारी एवं पुलिस उपाधीक्षक को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया नवोदय विद्यालय द्वारा आगंतुक अतिथियों का गया बैगपाईपर बैंड के द्वारा स्वागत किया गया !शिक्षक,शिक्षिका एवं सैकड़ों छात्र-छात्राएं खड़े होकर गणमान्य लोगों का स्वागत किया.इस अवसर पर गंगा मिशन के सदस्य सुरेश निर्मल ने कहा कि गंगा मिशन की ओर से नवोदय विद्यालय परिसर में एक वाटर कूलर मशीन दिया गया है जिसका भी उद्घाटन किया गया इस अवसर पर चंद्रशेखर प्रसाद सिंहा ललित स्वदेशी,रंजीत सिंह,बिजय कुमार जगदीश नसरिया नवीन भगत,अशोक सराफ,राजेश अग्रवाल मोहित बेगराज का ऋषभ खुडानिया राजेश गुप्ता भगवती पांडे आदि लोग उपस्थित थे।

स्कूल के नए प्राचार्य के रूप में इंद्राणी चटर्जी ने दिया योगदान

मेदिनीनगर : शहर के एमके डीएवी पब्लिक स्कूल में नये प्राचार्य के रूप में इंद्राणी चटर्जी ने अपना योगदान सोमवार को दिया। योगदान देने के बाद स्कूल परिवार और स्थानीय प्रबंधन समिति ने उनका स्वागत किया। विद्यालय की स्थानीय प्रबंधन समिति के उपाध्यक्ष सतवीर सिंह, प्रभारी प्राचार्य आलोक कुमार और अन्य शिक्षकों ने नए प्राचार्य के अलावे स्कूल प्रबंधक सह नीरजा सहाय डीएवी पब्लिक स्कूल रांची की प्राचार्य किरण यादव का स्वागत किया। एमके डीएवी स्कूल के नए प्राचार्य इंद्राणी चटर्जी ने कहा कि आज प्रतिस्पर्धा के युग में चहुंमुखी दृष्टि एवं निरंतर तकनीकी विकास एवं प्रयोग पर बल देने की आवश्यकता है।

छात्र बोर्ड परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन करें एवं प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर अपना एवं विद्यालय तथा जिले का नाम रोशन करें। प्रभारी प्राचार्य आलोक कुमार ने कहा कि नए प्राचार्य के पास शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्यों का लंबा अनुभव है। सीबीएसई एवं नई शिक्षा नीति 2020 के अत्याधुनिक नीतियों, नियमावलियों एवं उद्देश्यों की सुदृढ़ जानकारी का लाभ इस स्कूल को मिलेगा। इस अवसर पर वरिष्ठ शिक्षक मीनाक्षी कर्ण, रमाशंकर यादव समेत कई शिक्षक उपस्थित थे।

विद्यालय भवन का जर्जर स्थिति में है कभी भी घटना दुर्घटन घट सकती है : ग्रामीण

बच्चों को हर तरह का सरकारी सुविधा का लाभ मिले तो शिक्षा से वंचित कोई भी बच्चा नहीं रहेगा

उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय मुंडी पहाड़ विद्यालय की स्थिति दयनीय

संवाददाता

साहिबगंज : तालझारी प्रखंड के करणपुरा पंचायत के अंतर्गत उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय मुंडी पहाड़ विद्यालय की स्थिति दयनीय है। यहां आदिम जनजाति पहाड़िया समुदाय के लोग रहते हैं। अपने बच्चे के प्रति पढ़ाई की जिज्ञासा रखते हैं। लेकिन मूलभूत सुविधाओं से बच्चे वंचित हैं। सरकार ने भले ही शिक्षा का अधिकार अधिनियम लागू किया हो। बच्चों का मौलिक अधिकार के साथ बच्चों को अनिवार्य शिक्षा मिले इसके लेकर सरकार के द्वारा बच्चों को निःशुल्क पुस्तक, मध्यान भोजन स्कूल ड्रेस,विद्यालय विकास अनुदान राशि, शिक्षण अधिगम सामग्री, बच्चे खेल खेल में पढ़े, लेकिन यहां के बच्चे को सारी सुविधाओं से वंचित रह रहे हैं ।ये कैसी नीति है ।और विद्यालय में सारी सुविधाओं मिल रहे हैं। वहीं शिक्षकों को प्रशिक्षित कर नई शिक्षा नीति व्यवस्था की गई सिर्फ बच्चों को अच्छी शिक्षा मिल सके ।सर्व शिक्षा अभियान के बता करे तो सबको शिक्षा एक समान,सही में आनंदायी शिक्षा का सही तरीके किया है ।बच्चों कैसे पढ़ाना चाहिए ये सीखना चाहिए यहां के बच्चों को सारी सुविधा मिले तो एक दिन न एक दिन आदर्श विद्यालय का निर्माण में अहम भूमिका निभाने में शिक्षक सफल प्रयास जरूर रहेगा ।यहां तो बच्चे के साथ शिक्षक भी निराश देखने को मिल रहा है। सरकार के द्वारा दोहरा नीति क्यों बनाई गई है वही ग्रामीणों का कहना है कि यहां तो शिक्षक प्रति दिन ससमय आते हैं और शिक्षक बच्चों के शिक्षा के प्रति समर्पित प्रेरणादायक शिक्षक मिले हैं। शिक्षा प्रति लगनशील है। यहां के बच्चों को हर तरह का सरकारी सुविधा का लाभ मिले तो शिक्षा से वंचित कोई भी बच्चा नहीं रहेगा यहां तो विद्यालय भवन का जर्जर स्थिति में है कभी भी घटना दुर्घटन घट सकती है बच्चे के लिए भय बना रहता है। अब तो शिक्षक के कड़ी मेहनत से विद्यालय बनाना शुरू हो गया है। सिर्फ सरकार को ध्यान देने की जरूरत है सारी सुविधा बच्चों के लिए उपलब्ध कराया जाय।

रीजनल सिनेमा में अलग तरह के कंटेंट पर फिल्म बनाने की पूरी आजादी होती है

अजय देवगन ने जब नई स्टारकास्ट के साथ गुजराती फिल्म वश का हिंदी रीमेक शैतान बनाया, तो फिल्म की मुख्य अदाकारा जानकी बोडीवाला को रिप्लेस नहीं कर सके। वश में आर्या और शैतान में जाह्नवी के रोल में जानकी ने गुजराती और हिंदी दोनों ही भाषाओं के दर्शकों का दिल जीता। अब वह वश लेवल 2 में नजर आने वाली हैं। यह 2023 में आई वश का ही सीक्वल है। फिल्म 27 अगस्त 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

इस दौरान उन्होंने बॉलीवुड और गुजराती फिल्मों में काम करने के अपने अनुभव, दोनों इंडस्ट्री के बीच अंतर पर खुलकर बात की। जानकी ने माना कि रीजनल सिनेमा में अलग तरह के कंटेंट पर फिल्म बनाने की पूरी आजादी होती है, जबकि बॉलीवुड में बहुत हद तक यह मुमकिन नहीं हो पाता।

आप मेडिकल बैकग्राउंड से हैं, तो अचानक फिल्मों में आना कैसे हुआ?

मैं मतलब डॉक्टर बैग्राउंड से होने वाली थी। मगर मैंने वह पढ़ाई कम्पलीट नहीं की। इसी दौरान मुझे मेरे डायरेक्टर कृष्णदेव याग्निक (डेब्यू फिल्म के निर्देशक) मिल गए जिन्होंने मुझे गुजरात में पहचान दिलाई। यह उनका ही फैसला था कि वह मुझे अपनी पहली फिल्म में कास्ट करना चाहते हैं। और उन्होंने ही फिल्म वश भी बनाई जिसके लिए ना सिर्फ मुझे पूरे देश में पहचान मिली, बल्कि राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला।

अभी आप वश 2 में काम कर रही हैं जो हिंदी में रिलीज हो रही है। बाद में हो सकता है कि आप शैतान के सीक्वल में भी हों, तो आपके लिए कितना चैलेंजिंग होगा उस समय, क्योंकि लोग वश 2 देख चुके होंगे?

शैतान का अंत गुजराती फिल्म वश से अलग था। तो शायद वह अपना एक अलग यूनिवर्स क्रिएट करेंगे। हालांकि उसके बारे में मुझे कुछ ज्यादा मालूम नहीं है, लेकिन हां, मुझे दोनों फिल्मों में काम करके बहुत अच्छा लगा, बहुत मजा आया। इतने बड़े-बड़े एक्टर्स के साथ काम किया, बहुत कुछ सीखने को भी मिला।

आप गुजरात फिल्म इंडस्ट्री के विकास को किस तरह से देखती हैं?

रीजनल सिनेमा में अच्छी बात यह होती है कि हमारे पास बहुत अलग-अलग तरह का कंटेंट ट्राय करने का स्पेस होता है। रीजनल सिनेमा में हमारे पास एक आज़ादी होती है और यही वजह है कि हम बहुत कुछ नया बना सकते हैं। मुझे रीजनल सिनेमा की यह बात बहुत अच्छी लगती है।

हिंदी हो या गुजराती, आपको कई सीनियर एक्टर्स के साथ काम करने का मौका मिला। आपका कैसा अनुभव रहा?

मुझे जब पता चला कि हीतू कनोडिया (गुजरात सिनेमा के जाने-माने कलाकार) फिल्म में मेरे पिता का रोल अदा करने वाले हैं और फिल्म में हितेन कुमार भी होंगे, तो मैं पहले तो अंदर से हिल गई थी। दरअसल, जब इतने बड़े एक्टर्स आपके साथ काम कर रहे होते हैं तो आपको परफॉर्म करना ही पड़ता है। ऐसे में मेरे पास भी तब परफॉर्म करने के अलावा कोई और ऑप्शन ही नहीं था। मगर यहां भी मेरी सफलता का क्रेडिट मेरे डायरेक्टर को जाता है जिन्होंने मुझे सिखाने के लिए वर्कशॉप करवाई और कॉन्फिडेंस दिया कि मैं कर सकती हूं।

अजय देवगन के साथ काम का कैसा एक्सपीरियंस कैसा था?

उनके साथ काम करने का अनुभव भी बहुत बढ़िया रहा। मैंने तो उम्मीद ही नहीं की थी कि वह मुझे उस स्तर का कम्फर्ट महसूस करवाएंगे, क्योंकि वह मेरी पहली हिंदी फिल्म थी। जिस हिसाब से मुझे वहां लोगों का ट्रीटमेंट मिला, खासकर एक्टर्स से, वह काफी अच्छा और यादगार था। उन्होंने मुझे महसूस ही नहीं होने दिया कि मैं एक न्यूकमर हूं। वहां मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला और इन सभी सीनियर कलाकारों से मिली सीख को मैं अपनी आगे की फिल्मों में अप्लाई करूंगी।

तमिल डेब्यू के लिए परफेक्ट फिल्म है कंचना 4

एक्ट्रेस नोरा फतेही लोकप्रिय तमिल हॉरर-कॉमेडी फ्रेंचाइजी 'कंचना' के चौथे भाग 'कंचना 4' के साथ तमिल सिनेमा में कदम रखने जा रही हैं। इस मोस्टअवेटेड फिल्म में नोरा मुख्य भूमिका निभाएंगी। नोरा ने 'कंचना 4' चुनने की वजह भी बताई। उन्होंने कहा, जब मुझे यह फिल्म ऑफर हुई, तो मुझे लगा कि तमिल सिनेमा में डेब्यू के लिए यह एकदम सही प्रोजेक्ट है। इस फ्रेंचाइजी की पहले से ही मजबूत पहचान है और इसकी अनोखी स्क्रिप्ट ने मुझे आकर्षित किया। नोरा फतेही ने आगे बताया, क्राइम-कॉमेडी ड्रामा मडगांव एक्सप्रेस की सफलता के बाद मैं एक और कॉमेडी फिल्म का हिस्सा बनना चाहती थी और इस प्रोजेक्ट के साथ मुझे वही रास्ता नजर आया। मैं इस फिल्म में काम करने के लिए बेहद उत्साहित हूं। नोरा ने बताया कि तमिल भाषा सीखना आसान नहीं है। फिल्म के लिए तमिल भाषा सीखना चुनौतीपूर्ण रहा है। उन्होंने बताया, भाषा हमेशा एक चुनौती होती है, लेकिन मुझे चुनौतियां पसंद हैं। मैंने पहले हिंदी, तेलुगू और मलयालम में भी काम किया है और अब तमिल मेरे लिए सबसे मुश्किल भाषा है और इसमें काम करने को लेकर मैं काफी उत्साहित हूं। नोरा फतेही ने यह भी बताया कि वह अपने किरदार को पर्दे पर उतारने के लिए किस तरह से तैयारी कर रही हैं। उन्होंने बताया, मैं अपने लाइन्स की रिहर्सल करने और उच्चारण पर काम करने के लिए अतिरिक्त समय दे रही हूं। इसके लिए खूब प्रैक्टिस करती हूं। सेट पर मिला प्रोत्साहन सबसे बड़ी प्रेरणा रहा। उन्होंने कहा, क्रू को उम्मीद नहीं थी कि मैं कॉमिक सीन में इतनी सहज रहूंगी। ऐसी प्रतिक्रिया मुझे और बेहतर करने के लिए प्रेरित करती है। यह संस्कृति और भाषा का सम्मान करने के साथ-साथ अपना सर्वश्रेष्ठ देने का मौका है। मुझे टीम का भी काफी सपोर्ट मिलता है। नोरा ने तमिल और बॉलीवुड सिनेमा के अंतर को भी रेखांकित किया। उनके मुताबिक, तमिल सिनेमा कहानी और परफॉर्मेंस पर केंद्रित है, जबकि बॉलीवुड की अपनी भव्यता और एनर्जी है। दोनों इंडस्ट्री से सीखना मेरे लिए रोमांचक अनुभव है।

सिद्धार्थ और जाह्नवी हैं परम सुंदरी की परफेक्ट जोड़ी

प्रोड्यूसर दिनेश विजन ने अपनी आगामी फिल्म परम सुंदरी के बारे में बात करते हुए कहा कि यह फिल्म आधुनिक तकनीक और पारंपरिक जीवन शैली के बीच के अंतर को दर्शाती है। उन्होंने बताया कि इस फिल्म में सिद्धार्थ और जाह्नवी को कास्ट करने का कारण उनकी एक-दूसरे से बिल्कुल अलग शख्सियत और उनके किरदारों के साथ उनका तालमेल है।

टेक्नोलॉजी बनाम सादगी: विजन के मुताबिक, परम सुंदरी सिर्फ एक क्रॉस-कल्चरल कहानी नहीं है, बल्कि यह आज के युवाओं की ज़िंदगी का एक अहम हिस्सा बन चुकी है। फिल्म का नायक परम, एक ऐसा किरदार है जो टेक्नोलॉजी और ऐप्स पर पूरी तरह निर्भर है। वहीं, सुंदरी का किरदार एक ऐसी दुनिया से आता है जहाँ जीवन बहुत सरल और तकनीक के प्रभाव से दूर है। विजन ने कहा, फिल्म की कहानी यही संदेश देती है कि आज के युवा हर काम के लिए ऐप्स पर निर्भर हैं, और इस वजह से वे असली और ऑर्गेनिक रिश्तों की खूबसूरती को भूलते जा रहे हैं।

कास्टिंग पर विजन के विचार: दिनेश विजन ने सिद्धार्थ और जाह्नवी की कास्टिंग को लेकर कहा कि सिद्धार्थ एक हैंडसम हीरो हैं, लेकिन उन्होंने पिछले छह सालों में कोई रोमांटिक-कॉमेडी नहीं की है। वहीं, जाह्नवी, जो असल जिंदगी में सुंदरी जैसी ही हैं, ने भी ऐसा रोल पहले कभी नहीं निभाया।

नुसरत भरूचा की उफ्फ ये सियापा में दिखेगी बिना डायलॉग डार्क कॉमेडी

नुसरत भरूचा की फिल्म 'उफ्फ ये सियापा' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। बता दें ये फिल्म बिना डायलॉग के एक डार्क कॉमेडी है, जिसमें हर सीन सिर्फ हावभाव और एक्सप्रेशन से कहानी कहता है। फिल्म 5 सिंतबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

फिल्म की कहानी घूमती है केसरी लाल सिंह (सोहम शाह) के इर्द-गिर्द, जो एक साधारण और भोला-भाला इंसान है। उसकी पत्नी पुष्पा (नुसरत) उसे पड़ोसन कमिनी (नोरा फतेही) से फ्लर्ट करने का इल्जाम लगाकर घर छोड़ देती है। जैसे ही वह अपनी बेगुनाही साबित करने की कोशिश करता है, अचानक उसके घर एक लाश मिलती है। मामला यहीं नहीं रुकता, थोड़ी देर में दूसरी लाश भी सामने आ जाती है और केसरी की जिंदगी पूरी तरह उलझ जाती है। इस गड़बड़झाले में इंस्पेक्टर हसमुख (ओमकार कपूर) की एंट्री होती है, जो खुद भी अपने मकसद से कहानी में रंग भरता है।

फिल्म में सोहम शाह, नुसरत भरूचा और नोरा फतेही मुख्य भूमिकाओं में हैं। सोहम शाह अपनी सीरियस एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं, लेकिन इस फिल्म में उनकी मासूमियत और बेबस कॉमिक टाइमिंग दिल जीत सकती है। नुसरत भरूचा के लिए यह साल खास है क्योंकि यह उनकी दूसरी फिल्म है 'छोरी 2' के बाद। वहीं नोरा फतेही भी 2025 में तीसरी बार बड़े पर्दे पर दिखाई देंगी। हाल ही में वो अभिषेक बच्चन की 'बी हैप्पी' और कन्नड़ थ्रिलर 'केडी - द डेविल' में नजर आ चुकी हैं। 'उफ्फ ये सियापा' का निर्देशन जी. अशोक ने किया है और इसे लव रंजन और अंकुर गर्ग ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। संगीत की जिम्मेदारी ए.आर. रहमान ने उठाई है, हालांकि यह फिल्म गानों से नहीं बल्कि बैकग्राउंड स्कोर और साउंड इफेक्ट्स से दर्शकों पर असर डालेगी। अभिनेता शारीब हाशमी भी एक अहम किरदार में नजर आएंगे।

विक्रम भट्ट के एक और प्रोजेक्ट में सनी लियोनी की एंट्री

सनी लियोनी ने जिस्म 2, रईस, तेरा इंतजार और एक पहेली लीला जैसी कई बॉलीवुड फिल्मों में काम किया है। वेब सीरीज में भी वे नजर आ चुकी हैं। पोस्ट शेयर कर उन्होंने अपने आगामी प्रोजेक्ट पर डिटेल शेयर की हैं, जिसकी शूटिंग शुरू कर दी है। दिलचस्प बात यह है कि इसमें वे निर्देशक विक्रम भट्ट के साथ काम करेंगी।

सनी ने जताई विक्रम भट्ट के साथ काम करने की खुशी

सनी लियोनी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें वे निर्देशक विक्रम भट्ट के साथ नजर आ रही हैं।सनी ने इसके साथ कैप्शन लिखा है, अपने पसंदीदा निर्देशकों में से एक के साथ फिर से काम करने का मौका मिला है। चलिए कुछ जादू करते हैं।

सीरीज अनामिका में साथ कर चुके हैं काम

बता दें कि इससे पहले सनी लियोनी विक्रम भट्ट के साथ वेब सीरीज अनामिका में काम कर चुकी हैं, जो साल 2022 में आई थी। एक्शन से भरपूर यह जासूसी थ्रिलर वेब सीरीज एमएक्स प्लेयर पर उपलब्ध है। इसका निर्देशन विक्रम भट्ट ने किया।

नेटिजन्स ने दी बधाई

सनी और विक्रम के आगामी प्रोजेक्ट को लेकर नेटिजन्स रिएक्शन दे रहे हैं। दोनों को बधाई दे रहे हैं। सनी लियोनी के बॉलीवुड करियर की बात करें तो उन्होंने साल 2012 में आई फिल्म जिस्म 2 से डेब्यू किया था। हालांकि, वो साल 2011 में ही चर्चित रियलिटी शो बिग बॉस में आकर भारत में अपनी पहचान बना चुकी थीं। सनी का असली नाम करनजीत कौर वोहरा था, लेकिन एडल्ट इंडस्ट्री में काम करने के लिए उन्होंने अपना नाम सनी लियोनी रख लिया।

मैक्सवेल ने वनडे से संन्यास के बावजूद विक्टोरिया के लिए 50 ओवर क्रिकेट में की वापसी

मेलबर्न : ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल (36) ने इस साल की शुरूआत में वनडे क्रिकेट से संन्यास ले लिया था, लेकिन इसके बावजूद वह आगामी न्यूजीलैंड टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज की तैयारी के लिए अपने राज्य विक्टोरिया की ओर से 50 ओवर क्रिकेट खेलते नजर आएंगे। मैक्सवेल को नए सीजन की डीन जोन्स ट्रॉफी के पहले दो मैचों के लिए 14 सदस्यीय विक्टोरिया टीम में शामिल किया गया है। विक्टोरिया टीम बुधवार और शुक्रवार को क्वींसलैंड व तस्मानिया से एलेन बॉर्डर फील्ड में भिड़ेगी। मैक्सवेल ने मार्च 2022 के बाद से विक्टोरिया के लिए केवल एक लिस्ट ए मैच खेला है, जो पिछले साल अक्टूबर में न्यू साउथ वेल्स के खिलाफ था। टी-20 अंतरराष्ट्रीय टीम में शामिल मैट शॉर्ट भी चोट से उबरकर वापसी कर रहे हैं। वह जुलाई में मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) खेलने

के बाद से मैदान पर नहीं उतरे थे। कप्तान विल सदरलैंड पहला मैच खेलने के बाद इंडिया ए टीम से जुड़ने के लिए लखनऊ रवाना हो जाएंगे। इसके बाद पीटर हैंड्सकॉम्ब टीम की कप्तानी करेंगे। वहीं, युवा बल्लेबाज ऑलिवर पीक और स्पिनर टॉड मर्फी फिलहाल इंडिया ए दौरे पर हैं। हैरी डिक्सन और सैम इलियट दोनों मैच खेलकर भारत रवाना होंगे, जहां वे ऑस्ट्रेलिया ए की ओर से 30 सितम्बर से कानपुर में होने वाले 50 ओवर मैचों में खेलेंगे। दूसरी ओर, क्वींसलैंड की कप्तानी मार्नस लाबुशेन करेंगे। टीम बुधवार को विक्टोरिया और रविवार को वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी। तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट इंडिया ए के साथ होने के कारण उपलब्ध नहीं हैं, जबकि मार्क स्टेकेटी (हैमस्ट्रिंग) और कैलम विडलर (स्ट्रेस फ्रैक्चर) चोटिल हैं। टेस्ट ओपनर उस्मान ख्वाजा भी इस हफ्ते 50 ओवर मैचों में नहीं खेलेंगे और अपनी तैयारी शील्ड सीजन व एशेज सीरीज के लिए करेंगे। क्वींसलैंड की ओर से पूर्व न्यू साउथ वेल्स ऑलराउंडर हेडन केर और अंडर-19 वर्ल्ड कप विजेता कप्तान ह्यूग वेइब्गेन डेब्यू कर सकते हैं। लैकलन हर्ने को पहली बार ऑस्ट्रेलिया ए टीम में चोटिल आरोन हार्डी की जगह शामिल किया गया है।

मप्र के भोपाल की बड़ी झील में नावों का मुकाबला, रोमांच और कौशल का होगा अनूठा प्रदर्शन

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल की शान कही जाने वाली ऐतिहासिक बड़ी झील इन दिनों उत्साह और उमंग से सराबोर है। झील की लहरों पर अब ठंडी हवा और पानी की तरंगों के साथ नाविकों के साहस और कौशल का मुकाबला भी दिखाई देगा। मंगलवार यानी आज से यहाँ शुरू हो रहा राजा भोज मल्टीक्लास सेलिंग चैम्पियनशिप-2025 में राजधानी एक बार फिर जलक्रीड़ा उत्सव का केंद्र बनकर सामने आएगी। इस प्रतियोगिता में देश के विभिन्न हिस्सों से चुनिंदा नाविक हिस्सा ले रहे हैं।

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री सारंग करेंगे शुभारंभ

प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने

प्रतियोगिता का शुभारंभ करेंगे और इसके साथ ही बड़ी झील पर रोमांचक मुकाबलों की शुरूआत हो जाएगी । इस चैम्पियनशिप में देशभर से आए चुनिंदा नाविक अपनी प्रतिभा और हौसले का परिचय देंगे। आयोजन 21 सितंबर तक चलेगा और इन छह दिनों में भोपाल का खानूगांव किनारा नावों की रफ्तार और हवा की दिशा से बने अनूठे दृश्यों का साक्षी बनेगा।

भोपाल की बड़ी झील को मिल रही है अंतरराष्ट्रीय पहचान

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने लंबे समय से जलक्रीड़ा को प्रोत्साहन देने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं और इस आयोजन को उसी श्रृंखला का विस्तार माना जा रहा है। इस संबंध में अधिकारी दुर्गेश रायकवार कहते हैं कि इस चैम्पियनशिप में देश के विभिन्न हिस्सों से चयनित नाविक हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिता खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धा का मंच तो दे ही रही है, यह हमारे भोपाल की बड़ी झील को अंतरराष्ट्रीय पहचान को ओर मजबूत बनाने की दिशा में भी मददगार साबित होगी। खानूगांव के किनारे से स्थानीय नागरिक और पर्यटक सीधे तौर पर इन रोमांचक मुकाबलों का आनंद उठा सकेंगे। खानूगांव का इलाका इन दिनों रंगीन रोशनी, सजावट और गतिविधियों से गुलजार है। झील के किनारे खड़े दर्शक नाविकों की नावों को हवा की गति के साथ तैरते हुए इन दिनों दिखाई दे रहे हैं। वहीं, इस आयोजन का महत्व खेल से कहीं अधिक माना जा रहा है क्योंकि यह भोपाल की सांस्कृतिक धरोहर और पर्यटन दोनों को नई पहचान देगा।

1996 से सेलिंग प्रतियोगिताएं बड़ी झील में हुईं थीं शुरू

बड़ी झील का खेल इतिहास गौरवशाली रहा है। वर्ष 1996 से यहाँ सेलिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन शुरू हुआ। साल 2006 में नेशनल सेलिंग स्कूल की स्थापना ने इसे संस्थागत स्वरूप दिया और 2016 में आर्मी एडवेंचर नोडल सेंटर विंड सर्फिंग की शुरूआत हुई। इन पहल ने प्रदेश के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान दिलाई। अब तक मध्य प्रदेश के नाविक 141 राष्ट्रीय और 4 अंतरराष्ट्रीय पदक जीत चुके हैं।

इस चैम्पियनशिप को लेकर सबसे अधिक चर्चा उन युवा नाविकों की है जिन्होंने हाल के वर्षों में शानदार प्रदर्शन किया है। भोपाल की विध्यांशी मिश्रा ने पिछले वर्ष मुंबई में आयोजित सीनियर नेशनल सेलिंग चैम्पियनशिप 2024 में आईक्यू फ्वॉयल वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था।

हिमाचल में भूस्खलन से चार की मौत धर्मपुर बस स्टैंड डूबा, 653 सड़कें बंद

शिमलाः हिमाचल प्रदेश में बारिश ने फिर कहर बरपाया है। बीती रात हुई भारी बारिश से राजधानी शिमला, मंडी व अन्य भागों में तबाही हुई है। शिमला में 141.0 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई जोकि बहुत ज्यादा है। जगह-जगह भूस्खलन से राज्य में सैकड़ों सड़कें, बिजली ट्रांसफार्मर बंद हैं। मंडी जिले में भूस्खलन से तीन लोगों की मौत हो गई। एक लापता है। मंगलवार सुबह 10:00 बजे तक राज्य में तीन नेशनल हाईवे सहित 653 सड़कें बंद रहीं। 1205 बिजली ट्रांसफार्मर व 160 जल आपूर्ति स्कीमें भी बाधित हैं। मंडी जिले में 313, कुल्लू 153, शिमला 58 व चंबा में 26 सड़कें बंद हैं। बीती रात नगरोटा सूरियां 135.2, भटियात 80.0, सुंदरनगर 60.5, सलापड़ 57.9, ब्राह्मणी 54.4, गुलेर 54.2, मंडी 52.6, कांगड़ा 50.5, मैहरे बड़सर 50.0, नयना देवी 46.8, मुरारी देवी 42.0, बरठीं 37.4 व करसोग में 34.2 मिलीमीटर बारिश हुई।

मंडी जिले के सुंदरनगर उपमंडल के तहत आने वाली निहरी तहसील के ब्रगटा गांव में बीती रात को भूस्खलन की चपेट में आने से चार लोगों की मौत हो गई। जबकि दो लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है। जानकारी के अनुसार यहां भूस्खलन होने से पूरा घर जमींदोज हो गया। हादसे के समय घर में पांच लोग मौजूद थे। मृतकों में दो महिलाएं और एक आठ महीने का बच्चा शामिल है। इसके अलावा दो लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर उन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एसपी मंडी साक्षी वर्मा ने हादसे की पुष्टि की है। बता दें, इससे पहले सुंदरनगर उपमंडल के जंगमबाग में भी इसी तरह का मामला सामने आया था, जिसमें सात लोगों की जान गई थी। अब इसी उपमंडल के निहरी इस दर्दनाक हादसे में तीन लोगों को काल का ग्रास बनना पड़ा है। सूचना मिलते ही एसडीएम सुंदरनगर अमर नेगी, डीएसपी सुंदरनगर भारत भूषण सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौके के लिए रवाना हुए। बताया जा रहा है कि क्षेत्र के अधिकतर मार्ग बंद पड़े हैं, जिस कारण घटनास्थल तक पहुंचने में दिक्कतें पेश आ रही हैं। स्थानीय लोगों ने अपने स्तर पर सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर लोगों को बाहर निकाला। क्षेत्र में अभी भी रुक-रुककर बारिश का दौर जारी है, जिस कारण बाकी राहत एवं बचाव कार्यों में दिक्कतें पेश आ रही हैं। पहाड़ी से लगातार मलबा गिरने का खतरा बना हुआ है। मंडी जिले के धर्मपुर बाजार के पास से बहने वाली सोन खड्ड ने इतना विकराल रूप धारण किया कि तबाही मच गई। रात 1:00 बजे के करीब यहां बारिश इतनी तेज हुई कि लोग डर के मारे घरों से बाहर निकल आए। मंडी जिला के सरकाघाट और धर्मपुर उपमंडलों में भी बेहद ज्यादा बारिश हुई। इस बारिश के कारण सोन खड्ड ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर दिया। इस कारण धर्मपुर का बस स्टैंड पूरी तरह से जलमग्न हो गया। बस स्टैंड में खड़ी एचआरटीसी की बसें पानी में डूब गईं और कुछ बसें तेज बहाव के साथ बह गईं। खड्ड के किनारे जिन लोगों के घर थे वो भी पानी में डूब गए और यहां खड़े कई निजी वाहन भी बह गए। घरों की निचली मंजिल में पानी घुसने के कारण लोग दूसरी मंजिल और छतों पर चढ़ गए। एक होस्टल भी में मौजूद 150 बच्चों ने दूसरी और तीसरी मंजिल पर जाकर अपनी जान बचाई। उधर, डीएसपी धर्मपुर संजीव सूद ने बताया कि रात को जब तेज बारिश हुई तो पुलिस और रेस्क्यू टीमें तुरंत ही मैदान में जुट गई थीं। लोगों को सुरक्षित निकालने का काम रात भी चला रहा।

बिहार में भीषण सड़क हादसा

ट्रक से टकराई श्रद्धालुओं से भरी बस , एक की मौत, 10 घायल

पटनाः बिहार के कैमूर के दुर्गावती थाना क्षेत्र में महुअरिया ओवर ब्रिज के पास सोमवार देर रात एक बस और ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इस भीषण हादसे में बस में सवार खलासी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 10 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही दुर्गावती पुलिस और एनएचएआई की टीम मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, हादसे का शिकार हुई बस में कुल 38 :यात्री सवार थे। ये सभी मध्य प्रदेश के खरगोन जिले से बनारस के काशी होते हुए बिहार के गया जी में पितृपक्ष के दौरान पिंडदान के लिए जा रहे थे। बस में 14 महिलाएं और 24 पुरुष शामिल थे। यह यात्रा धार्मिक उद्देश्य से की जा रही थी। हादसे में मृत व्यक्ति की पहचान महेश वर्मा (30 वर्ष) के रूप में हुई है, जो मध्य प्रदेश के खरगोन जिले के महेशबार गांव का निवासी था। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी है। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है।घटना की सूचना मिलते ही दुर्गावती पुलिस और एनएचएआई की पेट्रोलिंग टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया। एनएचएआई की टीम ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त बस को सड़क के किनारे हटाने का काम शुरू किया, ताकि यातायात व्यवस्था बहाल हो सके। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

घटनास्थल पर पहुंचे सब इंस्पेक्टर अजीत कुमार ने बताया कि महुअरिया ओवर ब्रिज के पास बस और ट्रक की टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हैं। उन्होंने कहा कि सभी यात्री मध्य प्रदेश के रहने वाले हैं और गया में पितृपक्ष के लिए जा रहे थे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की तफ्तीश जारी है।बस चालक धर्मेंद्र साह ने बताया कि महुअरिया ओवर ब्रिज के पास सोमवार देर रात बस और ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घायलों के परिजनों को सूचित कर दिया गया है।

इजरायल के खिलाफ कतर में जुटे 50 मुस्लिम देश, ईरान बोला

इजरायल से रिश्ता तोड़ें इस्लामी मुल्क

एजेंसी/दोहाः कतर की राजधानी दोहा में सोमवार को मुस्लिम देशों के 50 नेता इजरायल के खिलाफ एक खास बैठक के लिए इक्कट्ठा हुए। यह बैठक अरब लीग और ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इस्लामिक को-ऑपरेशन (ओआईसी) ने बुलाई है। इसका मकसद नौ सितंबर को कतर पर हुए इजरायली हमले का जवाब देना है। इस हमले में हमास के पांच मेंबर और एक कतरी सुरक्षा अधिकारी मारा गया था। यह हमला उस समय हुआ, जब हमास की एक टीम गाजा में दो साल से चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए अमरीका के प्रस्ताव पर बात करने दोहा में थी। सोमवार की मीटिंग से पहले ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने मुस्लिम देशों से इजरायल के साथ रिश्ते तोड़ने को कहा है। उन्होंने इस्लामिक देशों से एकजुट होने की अपील की। वहीं, पाकिस्तान ने सभी इस्लामी देशों को नाटो जैसे ज्वॉइंट फोर्स बनाने का सुझाव दिया।

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी इजरायल को लेकर सख्त बयान दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि इजरायल के खिलाफ जवाबी कार्रवाई जरूरी है और कोई भी देश यह न सोचे कि वह गाजा युद्ध से बचा रहेगा। बता दें रविवार को इस्लामी देशों के विदेश मंत्रियों ने दोहा में इजरायल के खिलाफ कार्रवाई करने को लेकर बंद कमरे में एक बैठक की थी। इस दौरान कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जासिम अल थानी ने इजरायली हमले की कड़ी निंदा की और कहा कि कतर अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए जरूरी कदम उठाएगा। वहीं, पाकिस्तान के विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार ने कहा कि दुनिया भर के मुस्लिम इस बैठक पर नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने एक ज्वाइंट डिफेंस फोर्स बनाने की संभावना का जिक्र किया।

अमेरिका में बंद नहीं होगा टिकटॉक, चीन के साथ हुई व्यापार वार्ता के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने दिए संकेत

एजेंसी/वाशिंगटनः दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश अमेरिका में करीब 11 से 17 करोड़ यूजर्स चीन की टिकटॉक ऐप का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन इस पर यूजर का डेटा चीनी सरकार के पास भेजने का आरोप लंबे समय से लगते आ रहा है। चीन की बाइटडांस कंपनी की मशहूर टिकटॉक ऐप पर अमरीका ने जनवरी 19, 2025 कानूनी रूप से प्रतिबंध लगा दिया था। हालांकि, अभी इस ऐप का संचालन अमरीका में जारी है। प्रतिबंध अभी तक लागू नहीं किया गया है। अमेरिकी सरकार के बीच बाइटडांस की अमरीकी हिस्सेदारी बेचने को लेकर बातचीत चल रही है। बताया गया कि अगर 17 सितंबर, 2025 तक यदि बिक्री पूरी नहीं होती, तो अमरीका में पूरी तरह से टिकटॉक पर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिए हैं कि टिकटॉक ऐप का संचालन जारी रहेगा, इसे लेकर चीन के साथ व्यापार वार्ता के दौरान बात हुई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने लिखा, यूरोप में अमरीका और चीन के बीच बड़ी व्यापारिक बैठक बहुत सफल रही! यह जल्द ही समाप्त होने वाली है। एक विशेष कंपनी पर भी समझौता हुआ, जिसे हमारे देश के युवा बहुत बचाना चाहते थे, वे बहुत खुश होंगे! मैं जल्द राष्ट्रपति शी से बात करूंगा।

डोनाल्ड ट्रंप ने टेक्सास के डलास में भारतीय मूल के चंद्र नागमल्लैया की कथित तौर पर एक क्यूबाई अवैध विदेशी द्वारा की गई हत्या की निंदा की है। ट्रंप ने बाइडेन प्रशासन की आव्रजन नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि संदिग्ध को देश में नहीं होना चाहिए था। उन्होंने हत्यारे पर कानून की पूरी सीमा तक मुकदमा चलाने का संकल्प लिया और अवैध अप्रवासी अपराधियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाने का वादा किया। शख्स की हत्या अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय मूल के व्यक्ति चंद्र नागमल्लैया की हत्या की निंदा की, जिसका टेक्सास में उसकी पत्नी और बेटे के सामने क्यूबा से आए एक अवैध विदेशी ने सिर काट दिया था।

रॉयल इनफील्ड की 350सीसी तक की बाइक हुई सस्ती

नई दिल्लीः दुपहिया वाहन निर्माता रॉयल इनफील्ड ने वाहनों पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में संशोधन के बाद अपनी छोटी मोटरसाइकिलों (350 सीसी क्षमता तक) के दाम घटाने और उससे अधिक क्षमता के वाहनों के मूल्य बढ़ाने की घोषणा की है। कंपनी की सोमवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार, फैक्ट्री गेट पर 350 सीसी तक की मोटरसाइकिलों के मूल्य में 8.2 प्रतिशत की कटौती की गई है। वहीं, उससे ऊपर की क्षमता के दुपहिया के दाम 7.3 प्रतिशत बढ़ाए गए हैं।

नई दरें 22 सितंबर से प्रभावी होंगी जब जीएसटी में किए गए बदलाव लागू होंगे। उल्लेखनीय है कि जीएसटी परिषद ने 03 सितंबर के अपने निर्णय में 350 सीसी तक के दुपहिया वाहनों पर कर 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया है। इससे अधिक क्षमता के दुपहिया के लिए कर की दर 28 फीसदी से बढ़ाकर 40 फीसदी कर दी गयी है।

नेपाल को तीन नए मंत्री मिलते ही जेनजी ने पीएम से मांगा इस्तीफा, कहा, कैबिनेट विस्तार में नहीं ली राय

काठमांडूः नेपाल में अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की के साथ तीन अन्य मंत्री सरकार में अहम जिम्मेदारी निभाएंगे। नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने सोमवार को कार्की द्वारा गठित मंत्रिमंडल के लिए चुने गए तीन मंत्रियों को शपथ दिलाई है।इसके बाद नेपाल की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं 73 वर्षीय सुशीला कार्की ने कुलमन घीसिंग, रामेश्वर खनल और ओम प्रकाश आर्यल को मंत्री नियुक्त किया। राष्ट्रपति कार्यालय ने एक बयान में कहा कि वित्त मंत्रालय का नेतृत्व रमेशवर प्रसाद खनल करेंगे। वहीं ऊर्जा मंत्रालय का कार्यभार पूर्व राज्य विद्युत उपयोगिता प्रमुख कुलमन घीसिंग को सौंपा गया है। गृह मंत्रालय का कार्यभार ओम प्रकाश आर्यन संभालेंगे।

प्रदर्शनकारियों ने अंतरिम पीएम सुशीला कार्की का इस्तीफा मांगा है। वे कैबिनेट विस्तार को लेकर नाराज हैं। प्रदर्शनकारियों ने रविवार रात पीएम आवास के बाहर प्रदर्शन और नारेबाजी की। उन्होंने आरोप लगाया कि अंतरिम सरकार प्रदर्शनकारियों की राय लिए बिना मंत्रियों को चुन रही है। इसका नेतृत्व सुदान गुरुंग कर रहे थे। गुरुंग ने धमकी देते हुए कहा कि अगर हम फिर सडक पर उतरे तो कोई हमें रोक नहीं पाएगा। जिस कुर्सी पर बैठाया है, वहीं से निकाल फेंकेंगे।

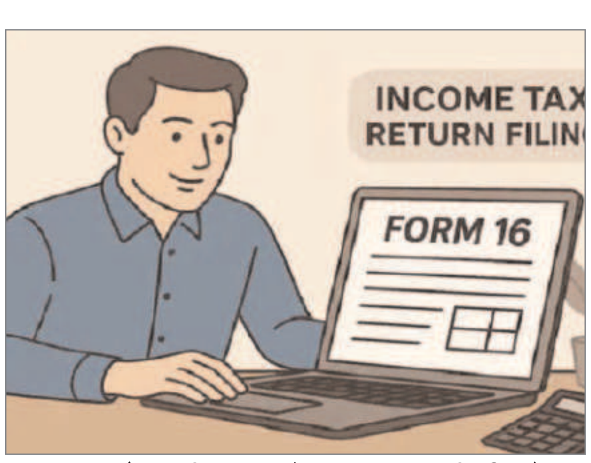

इनकम टैक्स रिटर्न भरने का आज आखिरी मौका, अब तक 7 करोड़ से ज्यादा आईटीआर फाइल

नई दिल्ली : इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने टैक्सपेयर्स को राहत देते हुए वित्त वर्ष 2024-25 के लिए इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि अब 16 सितंबर 2025 कर दी है मतलब आज आईटीआर भरने का आखिरी दिन है । इससे पहले यह डेडलाइन 15 सितंबर थी।

सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेस (सीबीडीटी) ने सोमवार देर रात एक सर्कुलर जारी कर यह जानकारी दी। यह तीसरी बार है जब आईटीआर फाइल करने की तारीख बढ़ाई गई है। मई में डेडलाइन को 31 जुलाई से बढ़ाकर पहले 15 सितंबर किया गया था और अब एक दिन के लिए और बढ़ा दिया गया है।

तकनीकी कारणों और आईटीआर फॉर्म में हुए बदलावों की वजह से यह निर्णय लिया गया है। नए बदलावों के चलते आईटीआर फाइलिंग टूल्स और बैकएंड सिस्टम में भी जरूरी सुधार किए जा रहे थे। अब तक 7.3 करोड़ से ज्यादा लोग अपना आईटीआर फाइल कर चुके हैं, जो पिछले साल (7.28 करोड़) के मुकाबले करीब 2 लाख ज्यादा है।

तेजस्वी यादव आज करेंगे 'बिहार अधिकार यात्रा' का आगाज, 20 सितंबर को वैशाली में होगा समापन

पटनाः राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव आज यानी मंगलवार को ₹बिहार अधिकार यात्रा₹ की शुरूआत करेंगे। राजद की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता यादव यात्रा की शुरूआत जहानाबाद से करेंगे। यादव यात्रा के पहले चरण में राज्य में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के गढ़ जैसे नालंदा (जनता दल (यूनाइटेड) प्रमुख एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का गृह जिला) और बेगूसराय (भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता एवं केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह का निर्वाचन क्षेत्र) का दौरा कर सकते हैं।

पहले चरण का समापन 20 सितंबर को वैशाली में होगा। संयोगवश, यादव का अपना निर्वाचन क्षेत्र राघोपुर वैशाली जिले में आता है। साथ ही महुआ भी वैशाली जिले में आता है, जहां से पहले उनके बड़े भाई तेज प्रताप यादव विधायक थे। तेज प्रताप ने अपने पिता एवं राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद द्वारा पार्टी से निष्कासित किये जाने के बाद फिर से इस सीट से चुनाव लड़ने की बात कही है।

5 दिन में करेंगे इन जिलों का दौराः पांच दिनों तक जारी रहने वाले पहले चरण में जहानाबाद, नालंदा, पटना, बेगूसराय, खगड़िया, मधेपुरा, सहरसा, सुपौल, समस्तीपुर, उजियारपुर और वैशाली जिलों में जाएंगे। पूर्व उप-मुख्यमंत्री यादव ने एक्स' पर एक वीडियो संदेश साझा किया। उन्होंने कहा, वोटर अधिकार यात्रा के बाद, जिसे आप सभी ने अपना समर्थन दिया था, कृपया बिहार अधिकार यात्रा में हमारे साथ जुड़ें। यह तेजस्वी के बारे में नहीं है। यह एक नये दृष्टिकोण के बारे में है, जो बेरोजगारों के लिए रोजगार और महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा।"

इस बीच, राजग सूत्रों ने दावा किया कि हाल ही में संपन्न वोटर अधिकार यात्रा के दौरान यादव को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करने में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की स्पष्ट अनिच्छा पर अपनी नाराजगी दर्ज कराने के लिए राजद ने ₹बिहार अधिकार यात्रा₹ की योजना बनाई है। राज्य के 25 जिलों की एक पखवाड़े लंबी यात्रा में गांधी के साथ शामिल हुए यादव ने लोगों से कांग्रेस नेता को अगला प्रधानमंत्री बनाने का आग्रह किया था। हालांकि, यादव के करीबी सहयोगी एवं राज्यसभा सदस्य संजय यादव ने कहा, वोटर अधिकार यात्रा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान गलत तरीके से लोगों के नाम हटाए जाने के मुद्दे पर थी। बिहार अधिकार यात्रा हमारे युवा नेता के लिए जनता से सीधा संपर्क करने का एक और अवसर होगा, जो उनकी खासियत रही है।

लगातार बारिश से बढ़ा तिलैया डैम का जलस्तर बढ़ा, खोले गए 4 फाटक

ग्रामीणों को किया गया अलर्ट

संवाददाता

कोडरमा : लगातार हो रही बारिश के बाद तिलैया डैम का जलस्तर बढ़ गया है और डैम की सुरक्षा के मद्देनजर 4 फाटक खोल कर डैम के पानी को डिस्चार्ज किया जा रहा है. डीवीसी प्रबंधन की ओर से मिली जानकारी के अनुसार सोमवार की रात साढ़े 9 बजे डैम के 4 गेट खोले गए हैं और प्रति सेकेंड 500 क्यूसेक पानी डिस्चार्ज किया जा रहा है.

लोगों को एलर्ट किया गया

डैम के फाटक खोले जाने से पहले सोमवार की शाम आसपास के गांव में माइकिंग के जरिये लोगों को एलर्ट कर दिया गया था, साथ ही कोडरमा, हजारीबाग, गिरिडीह, जामताड़ा और धनबाद जिला प्रशासन को भी अलर्ट भेजा गया है.

घटनाक्रम पर नजर

डीवीसी प्रबंधन ने लोगों को डैम और नदी से दूर रहने की सलाह दी है, ताकि किसी तरह की कोई अप्रिय घटना न घटे. जिला प्रशासन और डीवीसी के आला अधिकारी मौके पर मौजूद हैं और हर घटनाक्रम पर नजर रखे हुए हैं.

डैम पर ज्यादा दबाव के कारण खोले गए फाटक

फिलहाल तिलैया डैम का जलस्तर 1213.30 फीट है जबकि डैम का डेंजर वाटर लेवल 1218.06 फीट है, लेकिन डैम पर ज्यादा दबाव और मौसम विभाग के पूवार्नुमान से एहतियात के तौर पर डैम के फाटक खोलकर पानी डिस्चार्ज करने का निर्णय केंद्रीय जल आयोग और मैथन डैम प्रबंधन के निर्देश पर लिया गया है.

शहीद जवानों के ब्राह्मण भोज में पहुंचे डीआईजी नौशाद आलम

शहादत को किया नमन परिजनों से मिलकर दिया आश्वासन

बिनय मिश्रा

पलामू जिले के मनातू में 3 सितंबर को हुए नक्सली मुठभेड़ में शहीद हुए पलामू पुलिस के वीर जवान संतन मेहता और सुनील राम के ब्राह्मण भोज सोमवार को सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर पलामू रेंज के डीआईजी नौशाद आलम विशेष रूप से शामिल हुए और शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। डीआईजी आलम ने कहा कि संतन मेहता और सुनील राम की शहादत को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने देश और समाज की सुरक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर किए हैं। ऐसे जवानों पर न केवल झारखंड पुलिस बल्कि पूरा राष्ट्र गर्व करता है। ब्राह्मण भोज के मौके पर बड़ी संख्या में प्रशासनिक अधिकारी, पुलिसकर्मी, जनप्रतिनिधि और ग्रामीण भी मौजूद रहे। सभी ने शहीद जवानों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। डीआईजी नौशाद आलम ने परिजनों से मिलकर उनकी कुशलक्षेम पूछी और हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि शहीदों के परिवार को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। पुलिस विभाग सदैव उनके साथ खड़ा है। गौरतलब है कि 3 सितंबर को मनातू थाना क्षेत्र के केदल गांव में टीएसपीसी नक्सलियों के साथ हुई मुठभेड़ में दोनों जवान वीरगति को प्राप्त हुए थे। इस घटना के बाद पूरे पलामू में शोक की लहर दौड़ गई थी। ब्राह्मणभोज में शामिल लोगों ने कहा कि शहीदों की स्मृतियों को हमेशा जीवित रखा जाएगा। समाज और प्रशासन का दायित्व है कि शहीद परिवारों को सम्मान और सुरक्षा प्रदान की जाए।

जिला खनन टास्क फोर्स की आयोजित बैठक संपन्न

संवाददाता

दुमका : समाहरणालय के सभागार कक्ष में सोमवार को जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में जिला खनन टास्क फोर्स की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में अवैध खनन एवं उसके परिवहन की रोकथाम पर गहन विचार-विमर्श किया गया।

उपायुक्त ने कहा कि अवैध खनन व परिवहन पर सख्ती आवश्यक है। सभी अंचल अधिकारी नियमित रूप से वाहन जांच करें और अवैध परिवहन करते पकड़े गए वाहनों पर नियमों के अनुरूप कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि खनिज परिवहन उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार ही हो तथा ट्रामपॉलिन का उपयोग अनिवार्य रूप से किया जाए। बिना ढके (खुले) वाहन किसी भी स्थिति में न चलें।

क्रशर यूनिटों के संचालन को लेकर उपायुक्त ने कहा कि सभी क्रशर निर्धारित नियमों एवं शर्तों के साथ ही संचालित हों। किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने संबंधित विभागों को नियमित निरीक्षण एवं विशेष अभियान चलाकर अवैध रूप से कार्यरत क्रशरों को चिन्हित करने तथा उनके विरुद्ध कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने सड़क सुरक्षा पर भी गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए अंचल अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों द्वारा सड़क का आकलन कर विस्तृत रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाए। इसमें ब्लाइंड स्पॉट्स की पहचान, आवश्यक स्थानों पर स्पीड ब्रेकर की व्यवस्था, गड्ढों की मरम्मत और अन्य आवश्यक सुधारात्मक कदमों का उल्लेख हो।

मोदक मिष्ठान भंडार ने पूजन सामग्री व प्रसाद का लगाया विशेष स्टॉल

17 सितम्बर को विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर पूजन सामग्री और शुद्धता के लिए प्रख्यात मोदक मिष्ठान भंडार के द्वारा विशेष स्टॉल लगाकर पूजन सामग्री और प्रसाद समुचित दर पर उपलब्ध करा रहा है। इस संदर्भ में प्रतिष्ठान के संचालक राजेश मोदक एवं राकेश मोदक ने बताया कि-प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रद्धालुओं और भक्तजनों के लिए विशेष रूप से पूजन सामग्री और प्रसाद उनके प्रतिष्ठान में उपलब्ध है।

श्री श्री गुदडी दुर्गा पूजा समिति के फिर अध्यक्ष बने राम प्रताप बर्मन

श्री बर्मन का निरंतर कई वर्षों से अध्यक्ष बनने का रिकॉर्ड पुनः कायम रहा

संवाददाता : रामप्रताप बर्मन शहर के लिए हमेशा गौरव रहे हैं। अत्यधिक उम्र के पश्चात भी उनमें जो जज्बा है वह काबिले तारीफ हैं। सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़कर उनकी सहभागिता और हिस्सेदारी भी सबों को काफी प्रेरणा देती है श्री श्री गुदडी दुर्गा पूजा समिति के वह विगत निरंतर कई वर्षों से अध्यक्ष चुने जाते रहे हैं और यह रिकॉर्ड इस बार भी कायम रहा है उन्हें उनके बेहतर कार्य दक्षता और पूजा के प्रति उनकी लगाओ के फल स्वरुप पुण अध्यक्ष बनाया गया है।